page 1_Layout 1 15-10-2026 21:26 Page 1



डेली
आवाज भारती
बुलंद भारत की बुलंद आवाज़

» बरनाला, मोहाली, चंडीगढ़ » शुक्रवार, 16 अक्तूबर 2026 » वर्ष : 01 अंक :173 » मूल्य : 3 रू. » RNI NO. : PBHIN/26/A2687 » स्थानीय संपादक : हेमंत मित्तल

आज का भारती



अवनी लेखराः हौसलों से लिखी सफलता की नई कहानी

पैरालंपिक में दो स्वर्ण पदक जीतकर भारत का नाम किया रोशन

अवनी लेखरा भारतीय खेल जगत की उन प्रेरणादायक खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से विश्व स्तर पर पहचान बनाई। पैरा निशानेबाज अवनी ने टोक्यो पैरालंपिक 2020 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। इसी पैरालंपिक में उन्होंने 50 मीटर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक भी हासिल किया। पेरिस पैरालंपिक 2024 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ा। अवनी की सफलता बताती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास से मुश्किल चुनौतियों को भी अवसर में बदला जा सकता है।

अमेरिकी महंगाई आंकड़ों के बाद सोने-चांदी की कीमतों में दमदार वापसी

तीन दिन की गिरावट पर लगा ब्रेक



नई दिल्ली । इस हफ्ते की शुरुआत में लगातार तीन दिनों तक दबाव झेलने के बाद गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार वापसी देखने को मिली। अमेरिकी खुदरा महंगाई (सीपीआई) के आंकड़े जारी होने के बाद वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में कीमती धातुओं ने तेजी पकड़ी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी मजबूत हुए, जिसका असर भारतीय वायदा बाजार पर भी दिखाई दिया। कारोबार के दौरान सोने-चांदी की कीमतों में 3,000 रुपए तक की तेजी दर्ज की गई।

भारत का वस्तु व्यापार घाटा सितंबर में 30.21 अरब डॉलर रहा

मुंबई । भारत का वस्तु व्यापार घाटा सितंबर में मासिक आधार पर 3.35 अरब डॉलर बढ़कर 30.21 अरब डॉलर हो गया है, जो कि अगस्त में 26.86 अरब डॉलर था। इस दौरान निर्यात में दोहरे अंक में वृद्धि दर्ज की गई है। यह जानकारी सरकारी की ओर से गुरुवार को जारी डेटा में दी गई। देश का वस्तु निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 23.04 प्रतिशत बढ़कर 44.4 अरब डॉलर हो गया है। यह अगस्त में 43.81 डॉलर था। वहीं, आयात सालाना आधार पर 8 प्रतिशत बढ़कर 74.61 अरब डॉलर हो गया है। बीते महीने यह 70.67 अरब डॉलर था। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत के निर्यात में वृद्धि का रुझान जारी है।



पाकिस्तान के पेशावर में स्कूल हादसा

स्कूल की गिरी छत, 31 बच्चों समेत दो लेडी टीचर की मौत

डेली आवाज भारती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पेशावर में गुरुवार को प्राइवेट स्कूल की छत भरभराकर गिर गई। मलबे के नीचे दबने से 31 बच्चों और दो लेडी टीचर समेत 33 की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने 'लेडी रीडिंग हॉस्पिटल' (एलआरएच) के हवाले से इसकी जानकारी दी। इस दर्दनाक हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। एलआरएच के अनुसार, 53 बच्चों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से ज्यादातर लड़के थे। इनमें से 33 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 17 बच्चों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पाकिस्तानी दैनिक 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के मुताबिक, सभी बच्चों की उम्र 14 साल या उससे कम थी। एलआरएच प्रवक्ता मुहम्मद आसिम ने बताया कि अस्पताल में इमरजेंसी घोषित कर दी गई थी और वरिष्ठ अधिकारी ट्रॉमा वार्ड में मौजूद थे, ताकि घायलों के इलाज की निगरानी की जा सके। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर थी। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, कैपिटल सिटी पुलिस ऑफिसर (सीसीपीओ) मियां सईद ने पत्रकारों से बताया कि स्कूल के मालिक को हिरासत में ले लिया गया है और इस घटना के संबंध में मामला दर्ज किया जाएगा। सईद ने बताया कि स्कूल की छत का निर्माण बहुत खराब तरीके से किया गया था और इमारत तंग गलियों में स्थित थी, जिससे बचाव कार्य (रेस्क्यू ऑपरेशन) में काफी दिक्कतें आई। उन्होंने बताया कि स्कूल में 110 बच्चे पढ़ते थे। पाकिस्तान सेना के जवान घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव व राहत एजेंसियों के साथ मिलकर उन बच्चों और स्टाफ को खोजने का काम शुरू किया। जियो न्यूज से बात करते हुए, पेशावर के डिप्टी कमिश्नर अफाक वजीर ने पुष्टि की कि इमारत गिरने के बाद शुरू किया गया बचाव अभियान पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा, बचाव दलों ने सारा मलबा हटा दिया है, और अब घटनास्थल पर कोई भी घायल बच्चा नहीं दबा है। इससे पहले पेशावर के डीसी ने 'डॉन' को बताया था कि अल-खैर स्कूल की छत गिरने से कई छात्र मलबे के नीचे दब गए थे। उनके कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, जब यह घटना हुई, तब छात्र अपनी कक्षाओं में मौजूद थे।

हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल



सीएम भगवंत मान के फ्रांस दौरे की राजनीतिक मंजूरी रद्द करने पर हाईकोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के फ्रांस दौरे के लिए राजनीतिक मंजूरी रद्द करने को लेकर दायर याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। यह याचिका पंजाब सरकार ने दायर की है। गौरतलब है कि विदेश मंत्रालय (एमईए) ने मुख्यमंत्री के दौरे के लिए ऑनलाइन आवेदन को पोर्टल पर बिना कोई विशेष कारण बताए खारिज कर दिया था। यह प्रतिनिधिमंडल जिसमें मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा और प्रधान सचिव रवि भगत भी शामिल थे, 15 से 21 अक्टूबर तक पेरिस में आयोजित होने वाले एक अंतरराष्ट्रीय फूड मेले में शामिल होने वाला था। इसका उद्देश्य मार्कफेड उत्पादों को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करना और किसानों के लिए व्यापार के अवसर तलाशना था। पंजाब सरकार ने तर्क दिया है कि दौरे की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं, खर्च मार्कफेड द्वारा वहन किया जाना था, एपीडा (एग्रिकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी) ने पहले ही स्टॉल आवंटित कर दिया था और केंद्र सरकार का इनकार संघीय ढांचे का उल्लंघन है। हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद अब केंद्र सरकार को अपना जवाब दाखिल करना होगा और अगली सुनवाई में बहस फिर से शुरू होगी। बता दें कि पंजाब सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल फ्रांस और इटली के दौरे पर जाने वाला था, जिसमें 15 अक्टूबर को फ्रांस के लिए रवाना होना था। पंजाब सरकार का आरोप है कि केंद्र सरकार के पोर्टल पर आवेदन को बिना कोई कारण बताए सिर्फ 'अस्वीकृत' दिखा दिया गया। इससे पहले जुलाई 2024 में भी पेरिस ओलंपिक के दौरान भारतीय हॉकी टीम का समर्थन करने के लिए फ्रांस जाने की उनकी योजना को केंद्र सरकार ने मंजूरी नहीं दी थी।

पंजाब सरकार का आरोप

केंद्र सरकार के पोर्टल पर आवेदन को बिना कोई कारण बताए सिर्फ 'अस्वीकृत' दिखा दिया गया



परगट सिंह का आरोपः पंजाब में एंटी-ड्रोन सिस्टम पर तैनात सिपाही ही निकला ड्रग तस्कर, 15 किलो हेरोइन बरामद

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़ । पंजाब में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान 'युद्ध नशे विरुद्ध' पर सवाल उठाते हुए पंजाब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष परगट सिंह ने बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके कहा कि सीमा पार से ड्रग तस्करी रोकने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम पर तैनात पंजाब पुलिस का एक सिपाही खुद ड्रग तस्करी करते पकड़ा गया है। उन्होंने इसके लिए पंजाबी ट्रिब्यून का हवाला दिया है। परगट सिंह ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा कि 'युद्ध नशे विरुद्ध' के नाम पर क्या मजाक है। सीमा पार ड्रग तस्करी को रोकने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम पर तैनात पंजाब पुलिस के एक सिपाही को खुद ड्रग्स की तस्करी करते पकड़ा गया है, उसके पास से 15 किलो हेरोइन बरामद हुई है। उन्होंने आगे लिखा कि जब नशा रोकने का जिम्मा जिन लोगों पर है, वे खुद तस्करी करते पकड़े जाएं, तो पंजाब के ड्रग माफिया को मिल रहे राजनीतिक और पुलिस संरक्षण पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। बता दें कि पंजाब सरकार ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा पार से होने वाली ड्रोन गतिविधियों और हथियारों व नशे की तस्करी को रोकने के लिए 'बाज अख' नामक एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात किया है। पंजाबी में 'बाज अख' का अर्थ 'ईगल आई' है। इसे मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में तरनतारन और पंजाब के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय किया गया है। सरकार ने मई महीने में इसके कई यूनिट्स को मंजूरी दी थी। यह सिस्टम 8 से 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले ड्रोन्स का पता लगाने, उनकी ट्रैकिंग करने, उन्हें जाम करने और बेअसर करने की क्षमता रखता है। इसका मुख्य काम पंजाब-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिए होने वाली हथियारों और हेरोइन व नशे की तस्करी को रोकना है।



परविंदर झोटा हत्याकांडः पंजाब सरकार और पुलिस जिम्मेदार, आरोपी के हथियार लाइसेंस पर मजीठिया ने उठाए सवाल

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के वरिष्ठ नेता एस. विक्रम सिंह मजीठिया ने गुरुवार को नशाविरोधी सामाजिक कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की एक मेडिकल स्टोर मालिक द्वारा की गई हत्या के लिए पंजाब सरकार और पुलिस को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इसे सिस्टम की विफलता बताया और आरोपी के हथियार लाइसेंस के नवीनीकरण (रिन्यूअल) पर सवाल उठाए। मजीठिया ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, यह पूरी तरह से सिस्टम की विफलता है। आरोपी का लाइसेंस चार बार रद्द किया जा चुका था और उसके खिलाफ चार बार मामले भी दर्ज हुए थे। फिर उसे दोबारा लाइसेंस कैसे मिल गया? वह बार-बार नशीले पदार्थ बेच रहा था और परविंदर सिंह झोटा लगातार इस बात को उजागर कर रहे थे। उसका लाइसेंस रिन्यू कैसे हो गया? अगर लाइसेंस रिन्यू नहीं हुआ होता, तो यह लड़ाई पहले ही खत्म हो सकती थी और वे हालात कभी पैदा ही नहीं होते, जिनमें परविंदर झोटा को गोली मारी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना सरकार और पुलिस की बार-बार होने वाली नाकामियों को दर्शाती है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर आरोपी को किसका समर्थन हासिल था, जिसकी वजह से वह हथियार रखने में कामयाब रहा। उन्होंने कहा, यह मौजूदा सरकार की नाकामी है। ऊपर से उसे हथियार का लाइसेंस भी दे दिया गया। उसे किसका समर्थन प्राप्त था कि वह बेखौफ घूमता रहा, मानो वह कुछ भी कर सकता है और किसी पर भी गोली चला सकता है? यह सब पुलिस की विफलता की ओर इशारा करता है। मजीठिया ने झोटा की हत्या को पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में एक अहम मोड़ बताया।

उन्होंने कहा कि यह समस्या लंबे समय से लोगों को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा, यह एक निर्णायक मोड़ बन गया है, एक ऐसी चिंगारी जिसने इस मुद्दे को और भड़का दिया है। यह कोई नई समस्या नहीं है; यह रोज हो रही है और लोग इसकी वजह से परेशान हैं। झोटा ने लोगों की आवाज को और बुलंद किया है और सबको एकजुट कर दिया है।

कहा, यह मौजूदा सरकार की नाकामी



पंजाब में नशा विरोधी कार्यकर्ता की हत्या की सीबीआई जांच की मांग

हाई कोर्ट में पीआईएल दायर

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़ । पंजाब में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले में अब सीबीआई जांच की मांग उठी है। इस संबंध में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। मानसा में दर्ज मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की गई है, जिसकी निगरानी हाई कोर्ट करे। वहीं, दूसरी ओर मानसा में परविंदर सिंह की मौत के बाद परिवार और लोगों के रोष को देखते हुए महिला इंस्पेक्टर बेअंत कौर थाना सिटी-1 को सस्पेंड कर दिया गया है। याचिकाकर्ता ने आरोपी को मेडिकल स्टोर का ड्रग लाइसेंस देने, आपराधिक पृष्ठभूमि के बावजूद आर्म्स लाइसेंस देने, मृतक की कॉल पर लोकल पुलिस द्वारा असंवेदनशील कदम उठाए जाने, अस्पताल ले जाने में देरी करने और मृतक के परिवार और गवाहों की सुरक्षा के साथ राज्य में कानून-व्यवस्था बहाल करने की भी मांग की है। याचिका के अनुसार, 45 वर्षीय परविंदर सिंह उर्फ झोटा पूर्व फ्रीस्टाइल कबड्डी खिलाड़ी था और मानसा का निवासी था। उसने 'एंटी-ड्रग टास्क फोर्स' बनाई थी और मेडिकल स्टोरों पर नशे की अवैध बिक्री का लाइव वीडियो बनाकर अपने फेसबुक पेज पर डालता था, जिसके करीब 63 हजार फॉलोअर्स थे। जुलाई 2023 में उसने बठिंडा रोड, मानसा स्थित आरोपी अश्वनी कुमार के मेडिकल स्टोर पर प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल बेचने का आरोप लगाया था। उसकी शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज हुआ था और उसके खिलाफ भी क्रॉस-केस दर्ज कर हिरासत में लिया गया था। इस मामले में परविंदर सिंह झोटा को सितंबर 2023 में रिहा किया गया।



राजनेता-पुलिस सांठगांठ के खिलाफ कार्रवाई करके ड्रग माफिया को खात्मा करने की मांग कीः बीबा हरसिमरत कौर बादल

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़ : शिरोमणी अकाली दल की वरिष्ठ नेता बीबा हरसिमरत कौर बादल ने आज राजनेता-पुलिस गठजो के खिलाफ कार्रवाई करके ड्रग माफिया का सफाया करने और साथ ही उन्होने नशे के खतरे को कंट्रोल करने में विफल रहने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान और राज्य के डीजीपी गौरव यादव के इस्तीफे की मांग की है। यहां एक प्रेस बयान जारी करते हुए बठिंडा सांसद ने कहा कि परमिंदर सिंह झोटा जो ड्रग के खिलाफ ले ई ले रहे थे, उन्हें दो दिन पहले मानसा के एक मेडिकल स्टोर से नशे की अवैध बिक्री का विरोध करने के लिए गोली मारकर कत्ल कर दिया गया। उनकी मौत से पंजाबी बेहद दुखी हैं और न्याय की मांग करते हुए से कों पर उतर आए हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार पर इसका कुछ असर नही हुआ है। उन्होने कहा,'' मानसा के विधायक विजय सिंगला के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नही की गई, जिन पर ड्रग तस्करों का संरक्षण करने का आरोप है और डीएसपी और एसएसपी पर भी भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप हैं ,किसी पर भी कोई कार्रवाई नही की गई।'' बीबा हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि झोटा के कत्ल के पीछे की साजिश को उजागर करने के मामले को सीबीआई को सौंपने सहित शोक संतप्त परिवार की कोई भी मांग पूरी नही की गई है।



पंजाब में अच्छी राजनितिक प्रभाव रखने वाले श्री जतिन्दर जिम्मी को शिरोमणि अकाली दल हाईकमान ने सौंपी अहम जिम्मेदारी

- जतिंदर जिम्मी शिरोमणि अकाली दल के राष्ट्रीय संगठन सचिव नियुक्त

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़। जतिंदर जिमी को शिरोमणि अकाली दल का राष्ट्रीय संगठन सचिव नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि जतिंदर जिम्मी का विधानसभा हलका मोहाली, बरनाला, भदौड़, महल कलां और मलेरकोटला एवं मालवा माझा और दोआबा में अच्छा प्रभाव और वोट बैंक माना जाता है। इसके साथ ही उनकी अधिकारियों के बीच भी अच्छी पहुंच बताई जाती है। जतिंदर



जिमी को समाज में एक अलग पहचान के साथ जाना जाता है। बताया जाता है कि उन्होंने ठगी करने वाले ट्रैवल एजेंटों और एजेंसियों के हाथों ठगे गए पंजाब के भोले-भाले लोगों को करोड़ों रुपये वापस दिलवाने में मदद की है। बीते समय में विभिन्न सामाजिक संगठनों, मेलों, क्लबों और सरकारी स्तर पर भी सैकड़ों बार जतिंदर जिमी को सम्मानित किया जा चुका है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर जतिंदर जिमी ने पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल, बिक्रमजीत सिंह मजीठिया, दलजीत सिंह चीमा, अर्शदीप सिंह कलेर, महेशइंदर सिंह ग्रेवाल, कुलवंत सिंह कीतू, हरिंदर सिंह सैनी और समूची वरिष्ठ अकाली लीडरशिप का धन्यवाद किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह पहले की तरह पार्टी के प्रति अपनी जिम्मेदारी पूरी मेहनत, ईमानदारी और लगन से निभाते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि जतिंदर जिमी इससे पहले भी पार्टी में कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं निभा चुके हैं।

पंजाब में नशों के खिलाफ होगी जंग तेज, भगवंत मान सरकार की हाई-लेवल मीटिंग में बनेगी नई रणनीति : बलतेज पन्नू

- नशा तस्करों के नेटवर्क पर नकेल कसने के लिए प्रशासन और पुलिस की जवाबदेही तय की जाएगी

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़/सुकून महाजनः आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने कहा है कि पंजाब की भगवंत मान सरकार द्वारा राज्य से नशों को खत्म करने के लिए चलाई जा रही युद्ध नशेआं विरुद्ध मुहिम को और तेज करने के लिए कल एक हाई-लेवल अहम मीटिंग बुलाई गई है। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने फिल्लौर में सभी एसएचओ के साथ मीटिंग की थी और अब उसी सीरीज़ के तहत एक बड़ी और ऐतिहासिक मीटिंग होने जा रही है।

इस मीटिंग में पंजाब भर के सभी एसएसपी, डीसी , डीएसपी और एसडीएम एक साथ हिस्सा लेंगे। बलतेज पन्नू ने साफ़ किया कि हालांकि एसएसपी मीटिंग पहले भी जिला लेवल पर होती रही हैं, लेकिन यह सभी ज़िलों के एसएसपी, डीसी , डीएसपी और एसडीएम की एक साथ होने वाली पहली ऐसी मीटिंग है, जो अपने आप में बहुत ज़रूरी है। इस मीटिंग में अब तक की परफॉर्मेंस का रिव्यू करने के साथ-साथ आगे की रणनीति और एक्शन प्लान पर विस्तार से बात होगी। सरकार का वादा दोहराते हुए उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल से सरकार नशों के खिलाफ इस लड़ाई को जंग की तरह लड़ रही है और अब इस मुहिम को और भी तेज किया जाएगा। बलतेज पन्नू ने एक दुखद घटना का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं समाज के लिए बहुत दर्दनाक होती हैं। समाज में हमेशा से ऐसे लोग रहे हैं जो दूसरों की भलाई के लिए आगे आते हैं। अगर कहीं भी ऐसी कोई समस्या या कमी सामने आती है तो उसे दूर करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नशों की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन और संबंधित विभागों को पूरी गंभीरता से काम करना होगा।

मेडिकल नशों के मुद्दे पर बलतेज पन्नू ने कहा कि किसी भी तरह का नशों नुकसानदायक होता है और मेडिकल नशों का गलत इस्तेमाल भी गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि कुछ नशों नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एडीपीएस) एक्ट के दायरे में आते हैं, जबकि कुछ नशे नहीं। ऐसे नशों को संबंधित कानूनी दायरे में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार की भूमिका भी अहम है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि पंजाब सरकार अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट रही है और मेडिकल नशों के खिलाफ लगातार गंभीरता से काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि मेडिकल नशों के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए खास निगरानी की जरूरत है। पंजाब सरकार इस मामले में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी। मामला चाहे किसी भी व्यक्ति या लेवल का हो, नशों के खिलाफ कार्रवाई में कोई ढील नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आज सुबह भी इस मामले पर उनकी बातचीत हुई है और प्रस्तावित मीटिंग के बाद इस दिशा में जरूरी कदम उठाए जाएंगे।



CMYK

page 2_Layout 1 15-10-2026 17:28 Page 1

इंडो-स्वीडन इनोवेशन डे पर उपस्थित होना सम्मान और प्रसन्नता का विषय : नायब सैनी

डेली आवाज भारती

चंडीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वीडन में आयोजित इंडिया-स्वीडन इनोवेशन डे 2026 कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस महत्वपूर्ण आयोजन में मुख्यमंत्री ने भारत और स्वीडन के बीच नवाचार, व्यापार तथा औद्योगिक सहयोग को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इंडो-स्वीडन इनोवेशन डे पर आप सभी के बीच उपस्थित होना मेरे लिए सम्मान और प्रसन्नता का विषय है। आज का यह आयोजन इंडिया-स्वीडन 2035 प्रतिस्पर्धी भविष्य के लिए नवाचार के साझा संकल्प को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने हरियाणा को इस वर्ष कार्यक्रम में राज्य भागीदार बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि मई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वीडन के साथ भारत के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया है। यह कदम दोनों देशों के बीच सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला है। उन्होंने व्यापार आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत-स्वीडन व्यापार वर्ष 2016 के 2.86 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर



वर्ष 2025 में 7.75 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा में स्वीडिश कंपनियों द्वारा किए जा रहे निवेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुग्राम में स्वीडिश कंपनी आइकिया की 3500 करोड़ रुपये की एकीकृत परियोजना हरियाणा पर उनके भरोसे का स्पष्ट उदाहरण है। इसी प्रकार, झज्जर की मेट सिटी में स्वीडन की कंपनी अपनी कार्ल गुस्ताफ विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। फरीदाबाद में स्वीडिश-स्विस समूह एबीबी की वर्ष 1951 से संचालित विनिर्माण इकाई आधुनिक इलेक्ट्रिक मोटरों का प्रमुख उत्पादक केंद्र बन चुकी है। इसके अलावा, स्वीडिश शिक्षा संस्था कुनस्काप्सकोलन का पहला भारतीय विद्यालय वर्ष 2013 में गुरुग्राम में खोला गया था। सैनी ने कहा कि ये सभी परियोजनाएं 'मेक इन इंडिया' और 'मेड विद स्वीडन' के हमारे साझा प्रयासों को दर्शाती हैं। उन्होंने सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को हरियाणा में होने वाले 'हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2027' के लिए आमंत्रित किया। साथ ही, हरियाणा की पावन धरा कुरुक्षेत्र पर आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पधारने का सादर निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर स्वीडन के मंत्री बेंजामिन दौसा, कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल और भारतीय राजदूत अनुराग भूषण भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के संबोधन से भारत और स्वीडन के बीच नवाचार, शिक्षा, विनिर्माण तथा निवेश के क्षेत्रों में सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है। हरियाणा सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने और वैश्विक साझेदारियों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ विपक्ष का मार्च दुर्भाग्यपूर्ण

इसके पीछे कौन-सी ताकत, जनता तलाशे जवाब : अनिल विज

डेली आवाज भारती

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि देश में प्रदर्शन करना हर राजनीतिक दल का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन बिना किसी स्थापित राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति के नेतृत्व में सभी दलों का एकजुट होना सवाल खे` करता है। इसके पीछे किसी ऐसी ताकत की भूमिका होने की आशंका है, जो देश में अस्थिरता पैदा करना चाहती है। विज मीडिया कर्मियों द्वारा सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ विपक्ष द्वारा निकाले गए मार्च के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट या हमारी जो अदालते हैं, वो बिल्कुल निष्पक्ष है, और आजाद हिन्दूस्तान में यह पहली बार देखा गया है, कि उच्चतम न्यायालय के खिलाफ भी विपक्ष द्वारा जूलुस निकाला गया है। उन्होंने कहा कि वैसे तो ये कंटेप्ट आफ कोर्ट है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने स्वयं इस पर संज्ञान लिया है, तो कोर्ट क्या



कार्यवाही करती है, ये कोर्ट पर निर्भर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि अब यह एक तमाशा देश में हो रहा है। उन्होंने विपक्ष को घेरते हुए देश की जनता के सम्मुख एक प्रश्न खडा करते हुए कहा कि ''मैं लोगों के लिए एक प्रश्न करना चाहता हूं, कि एक सीजेपी पार्टी दस अक्तूबर की कॉल देती है कि हम दिल्ली में प्रदर्शन करेंगें। वहां पर राहुल गांधी जी भी अपनी पार्टी के लोगों को लेकर आ जाते हैं, अखिलेश यादव जी भी वहां पर अपनी पार्टी के लोगों को लेकर आ जाते है, ममला बैनर्जी जी भी अपनी पार्टी के लोगों को लेकर आ जाती है, कम्यूनिष्ट भी अपनी पार्टियों के लोगों को लेकर आ जाते हैं। आखिर कौन है सीजेपी, जिसका अभी तक पता नही है, कि वे राजनीतिक पार्टी है, सामाजिक कार्यकर्ता है, कोई उनकी पृष्ठभूमि भी नहीं है, और केवल उनके कहने से इतनी सारी पार्टियों के लोग आ जाते हैं। इससे यह प्रतीत होता है कि कोई ओर शक्ति इन सबको इकटठा कर रही है, आखिर कौन है वो शक्ति। जो देश को अस्थिर करना चाहती है और ये उसके टूल हैं। ये जो पार्टियां है ये देश को अस्थिर करने के लिए टूल हैं। इसलिए लोगों को इस प्रश्न का उत्तर खोजना चाहिए कि कौन इसको कर रहा है''। उन्होंने कहा कि ''देश में प्रदर्शन करने का अधिकार है, और हर पार्टी को अधिकार है और हम भी प्रदर्शन करते रहे हैं। लेकिन इन सबको इकटठा कौन कर रहा है और एक आदमी के कहने से सारी पार्टियां दण्डवत हो जाती है लेकिन अभी उनकी कोई अभी पृष्ठभूमि नहीं है और न ही उनका कोई राजनीतिक इतिहास भी नहीं है। इसका मतलब कोई ओर शक्ति है जो देश की दुश्मन शक्ति है, जो देश में अस्थिरता पैदा करना चाहती है''।

पंजाब में नशे के खिलाफ एक सामाजिक कार्यकर्ता को अपनी जान गंवानी पडी, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब मे विज ने कहा कि पंजाब में ये जो नशे का कारोबार हो रहा है, जिसका एक सामाजिक कार्यकर्ता को पता है, कि किस दुकान पर नशा बिक रहा है। लेकिन भगवंत सरकार को क्यों नहीं पता है, और अगर पता है तो पहले कार्यवाही क्यों नहीं की। जब किसी सामाजिक कार्यकर्ता की जान चली गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना किसान को पारदर्शी तरीके से हाथ में मिले उसकी पॉलिसी : श्याम सिंह राणा

डेली आवाज भारती

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि किसान को पारदर्शी तरीके से उसकी पॉलिसी उसके हाथ में मिले। इसी सोच के तहत ÷मेरी पॉलिसी मेरे हाथ÷ अभियान शुरू किया गया है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने 15 अक्टूबर से 15 नवंबर तक पूरे भारत में एक महीने के लिए विशेष ड्राइव चलाई है। इस ड्राइव के तहत हर पात्र किसान को उसकी फसल की बीमा पॉलिसी उसके हाथ में दी जा रही है, ताकि किसान को यह पता चल सके कि उसकी फसल का बीमा हुआ है, उसकी प्रीमियम राशि क्या है और उसे क्लेम कैसे मिलेगा। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने वीरवार को कुरुक्षेत्र जिला के



शाहाबाद में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत मेरी पॉलिसी मेरे हाथ राज्य स्तरीय समारोह मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। श्याम सिंह राणा ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत ÷मेरी पॉलिसी मेरे हाथ÷ अभियान की पॉलिसी देने के बाद कहा कि किसानों को सुरक्षित करने के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि हर किसान को अपना पंजीकरण इस पोर्टल पर जरूर करवाना चाहिए, ताकि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ सीधे उसके खाते में पहुंच सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का लक्ष्य है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। भारत विकसित तभी होगा जब हमारा किसान विकसित होगा, हमारा मजदूर विकसित होगा, हमारा व्यापारी विकसित होगा और समाज का हर वर्ग विकसित होगा। जब हर वर्ग विकसित होगा, तभी 2047 तक भारत एक विकसित भारत बनेगा।

कार्यक्रम के दौरान श्याम सिंह राणा ने सभी किसानों को ÷ना पराली जलाएंगे, ना जलाने देंगे÷ की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि पराली जलाना पर्यावरण, जमीन और मानव स्वास्थ्य तीनों के लिए हानिकारक है।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने खरीफ फसल खरीद की समीक्षा की, मंडियों में सुचारू व्यवस्था, समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़। हरियाणा में खरीफ खरीद सीजन के दौरान धान की सरकारी खरीद तेजी से जारी है। राज्य की खरीद एजेंसियों ने अब तक 15.52 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की है और किसानों को 1,221 करो रुपये का भुगतान किया जा चुका है। गौरतलब है कि सामान्य श्रेणी के धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,441 रुपये प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज धान खरीद की समीक्षा करते हुए मंडियों में धान की आवक, खरीद, उठान, किसानों को भुगतान तथा खरीद प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रगति का जायजा लिया। समीक्षा बैठक में फसल खरीद



के पूरे सीजन के दौरान सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन, खरीद एजेंसियों, मंडी अधिकारियों, ढुलाईकर्ताओं और चावल मिल मालिकों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। साथ ही समुचित उठान व्यवस्था बनाए रखने, पारदर्शी तुलाई एवं नमी की जांच तथा खरीद से संबंधित दस्तावेजी प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर भी चर्चा की गई।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की प्रधान सचिव अमनीत पी. कुमार ने बताया कि अब तक प्रदेश की मंडियों में 21.27 लाख मीट्रिक टन धान की आवक हुई है, जिसमें से 15.52 लाख मीट्रिक टन की खरीद की जा चुकी है और 7.69 लाख मीट्रिक टन धान का उठान हो चुका है। केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ विपणन सीजन 2026-27 के लिए निर्धारित 58 लाख मीट्रिक टन खरीद लक्ष्य के मुकाबले राज्य अब तक लगभग 27 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर चुका है।

बैठक में किसानों को समय पर भुगतान, गेट पास जारी करने की सुचारू व्यवस्था और डिजिटल माध्यम से प्रभावी सत्यापन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने उपायुक्तों से बातचीत करते हुए उन्हें खरीद प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं को दूर करने और संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर खरीद एवं उठान की गति और तेज करने के निर्देश दिए।

जिलावार समीक्षा में कई जिलों में खरीद प्रक्रिया उत्साहजनक रही। आवक के मुकाबले नीलामी के अनुपात में कुरुक्षेत्र 88.2 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर रहा, जबकि यमुनानगर में यह अनुपात 81.8 प्रतिशत और अंबाला में 80.7 प्रतिशत रहा। राज्य का औसत 74.7 प्रतिशत दर्ज किया गया।

नीलामी के मुकाबले खरीद के अनुपात में पंचकूला 93.7 प्रतिशत के साथ आगे रहा। कुरुक्षेत्र में यह अनुपात 92.4 प्रतिशत और कैथल में 90.9 प्रतिशत रहा। अंबाला में 89.3 प्रतिशत, यमुनानगर में 85.4 प्रतिशत और करनाल में 78.5 प्रतिशत अनुपात दर्ज किया गया, जबकि राज्य का औसत 86 प्रतिशत रहा। नीलामी के मुकाबले उठान के अनुपात में पंचकूला 57.1 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर रहा। कुरुक्षेत्र में यह अनुपात 55 प्रतिशत और कैथल में 52.2 प्रतिशत रहा, जबकि अंबाला में 49.4 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस श्रेणी में राज्य का औसत 48.2 प्रतिशत रहा।

राज्य सरकार धान खरीद और चावल मिलों के संचालन में डिजिटल तकनीक के उपयोग को भी बे ावा दे रही है। बैठक में बताया गया कि नए ऑनलाइन राइस मिल पंजीकरण पोर्टल के माध्यम से 1,433 चावल मिलों का पंजीकरण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, 1,215 मिलों का जियो-फेंसिंग आधारित भौतिक सत्यापन पूरा कर लिया गया है।

मामला मारपीट करके जहरीली दवाई पिलाने से व्यक्ति की हुई मौत

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): थाना मक्खू की पुलिस ने व्यक्ति को मारपीट करके उसे जहरीली दवाई पिलाने से उसकी मौत हो जाने के मामलें में कार्रवाई करते हुए दो लोगों के खिलाफ हत्या एवं अन्य धाराओं तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना मक्खू के एएसआई सुखदेव सिंह ने बताया कि बीती 10 अक्तूबर को सुरजीत सिंह पुत्र करनैल सिंह वासी काली रौंद के साथ अजमेर सिंह पुत्र विरसा सिंह वासी गांव वाड़ा काली रौंद व पाला सिंह पुत्र बाऊ वासी गांव खन्ना ने मारपीट करते हुए उसे कोई जहरीली दवाई पिला दी थी, जिसके कारण सुरजीत सिंह की मौत हो गई थी। मामले की जांच कर रहे सुखदेव सिंह ने बताया कि पुलिस ने उक्त मामलें में अजमेर सिंह व पाला सिंह पर मामला दर्ज करके अगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

पी.ए.यू कृषि विज्ञान केंद्र फिरोजपुर द्वारा बेकरी और कंफेक्शनरी उत्पादों की तैयारी संबंधी व्यावसायिक प्रशिक्षण आयोजित

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): ग्रामीण युवाओं और महिलाओं में स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पी.ए.यू कृषि विज्ञान केंद्र फिरोजपुर द्वारा आत्मा स्कीम के तहत बेकरी और कंफेक्शनरी उत्पादों की तैयारी संबंधी पांच दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सिखार्थियों के साथ विचार साझा करते हुए डा.गुरमेल सिंह संधू, डिप्टी डायरेक्टर (ट्रेनिंग) के.वी.के फिरोजपुर ने कहा कि बेकरी (खाद्य) पदार्थों की तैयारी से जुड़े छोटे उद्योग ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार अपनाने और अपनी आय में वृद्धि करने के अच्छे अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि बेकरी और कन्फेक्शनरी उत्पादों की बाजार में काफी मांग है और इनसे संबंधित व्यवसाय कम पूंजी के साथ घरेलू स्तर पर भी शुरू किए जा सकते हैं। इस



प्रशिक्षण के दौरान डा.दिव्या जैन, सहायक प्रोफेसर (गृह विज्ञान) ने केक, बिस्कुट, मफिन, ब्रेड और बाजरा आधारित स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद तैयार करने संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कच्चे माल के चयन, उत्पादों की गुणवत्ता, तैयारी, पैकिंग, लेबलिंग, मूल्य निर्धारण और विपणन संबंधी भी विस्तृत जानकारी साझा की, तांकि सिखार्थी अपने छोटे व्यवसाय सफलतापूर्वक शुरू करके सुचारू रूप से चला सकें। इस अवसर पर सावनदीप शर्मा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, आत्मा, फिरोजपुर ने कंपनी की रजिस्ट्रेशन, ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन, ब्रांड विकास, लाइसेंस और खाद्य उत्पादों से संबंधित व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सिखार्थियों को अपने ब्रांड स्थापित करने, आवश्यक नियमों का पालन करने और प्रभावी विपणन की रणनीतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना के स्किल डेवलपमेंट सेंटर और फूड बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर का शैक्षणिक दौरा भी कराया गया।

21 अक्तूबर से पूर्ण हड़ताल करके विधानसभा सैशन सहित मुख्यमंत्री पंजाब के निवास पर पक्का धरना दिया जाएगा : रेशम सिंह गिल

झूठे वादे करके सत्ता में आई सरकार, नशा खत्म, बेअदबी की सजा, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने सहित सभी मुद्दों पर फेल हो चुकी आप सरकार:शमशेर सिंह ढिल्लों

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): पंजाब रोडवेज पनबस/पी.आर.टी.सी कांट्रैक्ट वर्कर यूनियन पंजाब द्वारा सभी डिपो के गेटों पर गेट रैलियां करके रोष प्रदर्शन करते हुए प्रदेशाध्यक्ष रेशम सिंह गिल ने कहा कि सरकार सत्ता में आने पर पंजाब के लोगों और कर्मचारियों से बड़े वादे करके सत्ता में आई थी, लेकिन अब तक मुख्य मुद्दों में बेअदबी के दोषियों को सजा दिलवाने, नशा खत्म करने, नशा, रेत, ट्रांसपोर्ट, केबल माफिया सहित सभी माफिया खत्म करने में सरकार फेल ही नहीं हुई, बल्कि वह उन नशे के सौदागरों से मिल चुकी है, जिसके परिणामस्वरूप एक नौजवान का कत्ल किया गया। पंजाब की जागृत जमीर वाले लोगों



द्वारा आज पंजाब बंद किया गया है, जिसका यूनियन द्वारा समर्थन किया जाता है।

इसके अलावा सरकार के अंतिम समय में भी कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने में सरकार पूरी तरह असफल है। अब तक ट्रांसपोर्ट विभाग में सरकार द्वारा एक भी कर्मचारी पक्का नहीं किया गया और पिछले 5 सालों से आम आदमी पार्टी द्वारा कोई भी सरकारी नई बस नहीं डाली गई, बल्कि ठेकेदारी प्रथा के माध्यम से युवाओं का शोषण करवा रही है। जो सरकार किलोमीटर स्कीम बसों के माध्यम से विभागों की लूट अपने चहेतों को करवा रही है। यूनियन द्वारा लूट बंद करवाने, नई सरकारी बसें डालने सहित अपनी जायज मांगों के संबंध में अब तक लगभग सरकार के साथ 70 से 75 बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन अफसोस की बात है कि इन बैठकों के बावजूद कर्मचारियों की समस्याओं का कोई ठोस हल नहीं निकाला गया। यूनियन नेताओं और कार्यकर्ताओं में भारी रोष है कि सरकार किए वादे भूल चुकी है, जिस कारण कर्मचारियों की मांगें लगातार लटकती जा रही हैं। इस मौके पर प्रदेश सचिव शमशेर सिंह ढिल्लों ने बोलते हुए कहा कि सरकार ने कर्मचारियों को साल 2026 का एक एक्ट लाया, जिसके माध्यम से आउटसोर्स कर्मचारियों को कॉन्ट्रैक्ट पर करने की प्रक्रिया बनाई गई है, जिसे ठंडे बस्ते में डालकर समय टाल दिया जा रहा है और 11 साल से सारी प्रक्रिया पूरी करके कर्मचारी कांट्रैक्ट पर काम कर रहे हैं, उन्हें विभागों में सर्विस रूल के तहत पक्का करने की मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष किया जा रहा है, जिसे बार-बार नजरअंदाज किया जा रहा है। विभाग द्वारा पनबस 31 साल पहले बनी, पर रूल लागू न करके कर्मचारियों का मानसिक और शारीरिक शोषण किया जा रहा है।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट द्वारा विभिन्न प्रतिबंधों के आदेश जारी

जिले में रात 10 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक शोर पैदा करने वाले पटाखों, ढोल या किसी अन्य प्रकार के ध्वनि उत्पन्न करने वाले उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध

■ जिले की सीमा के अंदर हुक्का बार चलाने पर प्रतिबंध

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): जिला फिरोजपुर में विभिन्न प्रतिबंधों के आदेश अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमनदीप कौर की तरफ से जारी किए गए हैं, जोकि जारी होने की तारीख से 2 महीने तक लागू रहेंगे। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने जिले में रात 10 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक शोर पैदा करने वाले पटाखों को चलाने, ढोल, ड्रम और किसी अन्य प्रकार के ध्वनि उत्पन्न करने वाले उपकरणों (जनहित आपातकाल की स्थिति को छोडे र) पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। इसी तरह रात 10 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक आवासीय क्षेत्रों में किसी भी तरह के हॉर्न बजाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिए भी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निषेधाज्ञा जारी की गई है। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि किसी भी स्थान पर चलाए जा रहे लाउड स्पीकर, पब्लिक एड्रेस सिस्टम आदि की ध्वनि सीमा संबंधित स्थान के ध्वनि मानक के अनुसार से अधिक नहीं होगी। अतिरिक्त जिला



मजिस्ट्रेट ने फिरोजपुर जिले की सीमा के अंदर हुक्का बार चलाने पर प्रतिबंध लगाया है। उन्होंने बताया कि सिविल सर्जन फिरोजपुर द्वारा उनके ध्यान में लाया गया है कि जिला फिरोजपुर के अंदर काफी संख्या में हुक्का बार चल रहे हैं और इन हुक्का बारों में आम तौर पर विभिन्न फ्लेवर के साथ निकोटीन, तंबाकू आदि का प्रयोग किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। उन्होंने कहा कि आम लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए और युवाओं तथा स्कूलों/कॉलेजों के छात्रों को इस बुरी लत से बचाने के लिए जिले के अंदर हुक्का बार चलाने पर प्रतिबंध के आदेश जारी किए गए हैं। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट फिरोजपुर ने जिला फिरोजपुर के गांवों/शहरों में चल रहे मैरिज पैलेस, होटल, रेस्तरां और सिनेमा आदि को अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए दस्तावेज इस आदेश के जारी होने से 15 दिनों के अंदर-अंदर सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत करने का आदेश जारी किया है (यदि उनके द्वारा पहले अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किया गया है) तांकि इस बारे में योग्य निर्णय लिया जा सके। अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति, मैरिज पैलेस, होटल, रेस्तरां और सिनेमा आदि में उपयुक्त स्थान पर लगाई जाएगी। इस आदेश के जारी होने के बाद, वे सभी मैरिज पैलेस, होटल, रेस्तरां और सिनेमा आदि जो सक्षम अधिकारी से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं करेंगे, उन्हें बंद कर दिया जाएगा। जो मैरिज पैलेस, होटल, रेस्तरां और सिनेमा आदि नए बन रहे हैं, वह तत्काल 15 दिनों के अंदर-अंदर इस संबंध में अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करें। अनापत्ति प्रमाण पत्र न लेने की सूरत में सारे का सारा काम बंद कर दिया जाएगा।

हेरोइन का नशा करते हुए पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया, मामला दर्ज

गुरुहरसहाय, (अमनदीप गिरधर): थाना लक्खोके बहराम की पुलिस ने एसएसपी फिरोजपुर भूपिन्द्र सिंह एवं पंजाब सरकार के दिशा निर्देशानुसार नशा बेचने वाले लोगों के खिलाफ चलाई मुहिम तहत बीते दिन गश्त व चैकिंग के दौरान दो लोगों को हेरोइन का नशा करते हुए गिरफ्तार करके उनके कब्जे से हेरोइन और नशा करने वाला सामान बरामद किया है। उक्त मामलें में पुलिस ने गिरफ्तार किए लोगों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना लक्खोके बहराम के एएसआई त्रिलोक सिंह ने बताया कि उन्होंने बीते दिन पुलिस पार्टी के साथ गश्त व चैकिंग के दौरान हेरोइन का नशा करते हुए लवप्रीत सिंह उर्फ लभु पुत्र लखविन्द्र सिंह वासी गांव तूर व नीरज पुत्र कुलदीप सिंह वासी गांव करी कलां को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 2 ग्राम हेरोइन, 1 सिल्वर पन्नी, लाईटर और रोल की हुई पाईपनुमा वस्तु बरामद की है। मामले की जांच कर रहे त्रिलोक सिंह ने बताया कि पुलिस ने उक्त मामलें में लवप्रीत सिंह व नीरज के खिलाफ मामला दर्ज करके अगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करने वाली भाजपा फसल खरीद के नाम पर कर रही परेशान : कुमारी सैलजा

डेली आवाज भारती

सिरसा पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करके सत्ता में आई भाजपा सरकार आज किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए दर-दर भटकने को मजबूर कर रही है। कभी पोर्टल तो कभी खरीद प्रबंधों और तकनीकी खामियों के नाम पर किसानों को परेशान किया जा रहा है। भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों का खामियाजा अन्नदाता भुगत रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की मंडियों में धान और कपास की आवक जारी है, लेकिन पर्याप्त शेड, तिरपाल, जल निकासी और उठान की व्यवस्था नहीं होने से किसानों की मेहनत की कमाई बर्बाद हो रही है। बारिश से अनेक मंडियों में फसल भीगने के कारण किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। करोड़ों रुपये कमाने वाली मार्केट



कमेटियां फसलों को सुरक्षित रखने में विफल साबित हुई हैं।सांसद ने कहा कि कांग्रेस हमेशा किसानों को उचित मूल्य और सरल खरीद व्यवस्था देने की पक्षधर रही है। सरकार पोर्टल की अनावश्यक बाध्यताएं समाप्त कर पूरी उपज की समयबद्ध खरीद सुनिश्चित करे। बारिश से खराब फसलों का तत्काल सर्वे करवाकर मुआवजा दे तथा मंडियों में सुविधाएं और समय पर भुगतान सुनिश्चित करे। किसानों को राहत देना सरकार की जिम्मेदारी है, कोई एहसान नहीं। उत्तराखंड कांग्रेस की प्रभारी कुमारी सैलजा ने अंकिता भंडारी के माता-पिता को दिल्ली के इंडिया गेट पर धरने से पुलिस द्वारा हटाए जाने की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि बेटी के लिए न्याय मांग रहे माता-पिता के साथ ऐसा व्यवहार भाजपा सरकार की संवेदनहीनता दर्शाता है। परिजन जिस वीआईपी की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं, उसकी सीबीआई जांच पूरी होने तक राज्यपाल पद पर नियुक्ति का विरोध कर रहे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि कथित तौर पर सुबह चार बजे पुलिस कार्रवाई करके पीड़ित परिवार की आवाज दबाना लोकतांत्रिक अधिकारों पर प्रहार है। सरकार बताए कि आखिर वह किसे बचाना चाहती है। सांसद ने निष्पक्ष जांच, परिजनों की सुरक्षा और अंकिता को न्याय दिलाने की मांग की। कांग्रेस पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

CMYK

page 3_Layout 1 15-10-2026 18:34 Page 1

डेली आवाज पंजाब

बरनाला, संगरूर ⟫ शुक्रवार, 16 अक्तूबर 2026

फिरोजपुर की हाउसिंग बोर्ड कालोनी हुई कंडम

डेली आवाज भारती

अधिकतर क्वाटरों में रह रहे कब्जा धारक

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर) फिरोजपुर शहर के पौश इलाके में गिन्नी जाने वाली हाउसिंग बोर्ड कालोनी आज कल खंडर हालत में प्रशासन की लापरवाही के कारण पहुंच चुकी है। मालूम हो कि संबंधित विभाग की तरफ से कालोनी के अधिकतर क्वार्टरों को कंडम करार दिया जा चुका है और इसके बावजूद भी इन क्वार्टरों में लोग अपनी जान को खतरे में डालकर अवैध कब्जे कर रहे है। यह कालोनी 1965 में बनाई गई थी और इसमें 258 क्वार्टर बनाए गए थे, जोकि 30.50 एकड़ जगह में बने है। आज इनकी हालत यह है कि इन्हें कोई पूछने वाला नहीं है। लेकिन फिर भी कुछ शहर के नामवर एवं सियासी लोग और समाज सेवक अपने निजी लालच की खातिर कुछ सरकारी कर्मचारियों के साथ मिली भुगत करके आम लोगों से मोटे रुपए लेकर इन खतरनाक क्वार्टरों में रिहायश करवा रहे है। हैरानी की बात यह है कि इनमें से बहुत से कब्जा धारक बिजली और पानी सहित सभी सुविधाऐं मुफ्त में ले रहे है। जिससे सरकारी खजाने को भी चुना लग रहा है। यह कंडम क्वाटर अंदर से खोखले हो चुके है और हालत बेहद खराब है। यहां रह रहे मलकीत सिंह, राज कुमार आदि ने बताया कि अगर इसकी रिपेयर ना करवाई गई तो आने वाले समय में कोई अनहोनी घटना हो सकती है। जिसकी जिम्मेवारी किस की होगी। बिना जांच किए लोगो को ऐसे जानलेवा स्थानों में रहने के लिए मजबूर करना जिला प्रशासन और पीडब्ल्यूडी विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।



फिरोजपुर शहर के हाउसिंग बोर्ड कालोनी में बने खस्ता हासल क्वार्टरों की तस्वीरें।

क्या कहते है एक्सीयन पीडब्ल्यूडी नवदीप सिंह

इस संबंध में जब पीडब्ल्यूडी के अधिकारी एक्सीयन नवदीप सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि यह सभी क्वार्टर खस्ता हालत में है। जिसके बारे में वह अपने उच्चाधिकारियों को कई बार लिख चुके है। लेकिन विभाग की तरफ से अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कई बार अस्टीमेट बनाकर भेजा गया है, लेकिन कोई फंड नहीं आया है। उधर, शहर व हाउसिंग बोर्ड कालोनी के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इन कंडम हुए क्वार्टरों को गिराकर दौबारा बनाया जाए, तांकि किसी बड़े हादसे को होने से रोका जा सके।



पराली प्रबंधन के लिए कृषि विभाग बरनाला का विशेष जागरूकता अभियान तेज

- मोबाइल प्रचार वैनों के जरिए गांव-गांव पहुंचकर किसानों से पराली न जलाने की अपील

डेली आवाज भारती



बरनाला/नवीन काली : डिप्टी कमिश्नर बरनाला श्री हरप्रीत सिंह के दिशा-निर्देशों और अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) श्री विवेक मोदी के नेतृत्व में जिला बरनाला में धान की पराली जलाने की घटनाओं को रोकने और इसके उचित प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग की ओर से विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. सुखपाल सिंह गिल की निगरानी में चल रहे इस अभियान के तहत मोबाइल प्रचार वैनों के माध्यम से गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मोबाइल प्रचार वैनों के जरिए किसानों को संदेश दिया जा रहा है कि पराली जलाने से जहां पर्यावरण बुरी तरह प्रदूषित होता है, वहीं मिट्टी में मौजूद किसान मित्र सूक्ष्म जीवों को भी भारी नुकसान पहुंचता है। इससे मिट्टी की उपजाऊ शक्ति कम होती है और धुएं के कारण मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर दुष्प्रभाव पड़ते हैं। इसलिए पराली को आग लगाने के बजाय उसका वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करना समय की मुख्य जरूरत है। मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. सुखपाल सिंह गिल ने जिले के सभी किसानों से अपील की कि वे पराली के निपटारे के लिए कृषि विभाग की ओर से सुझाई गई आधुनिक तकनीकों और मशीनरी, जैसे सुपर सीडर, हैप्पी सीडर और सरफेस सीडर आदि का अधिक से अधिक उपयोग करें। इसके अलावा बेलर मशीनों के माध्यम से पराली की गांठें बनाकर उसका उचित उपयोग करने को भी प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने बताया कि प्रचार वैनों के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि पर्यावरण के अनुकूल तरीके अपनाकर स्वच्छ हवा और उपजाऊ मिट्टी को सुरक्षित रखा जा सके। कृषि विभाग ने गांवों की पंचायतों, किसान संगठनों और आम किसानों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग देने की अपील की है। विभाग का मानना है कि किसानों के सक्रिय सहयोग से ही पराली जलाने की प्रथा को पूरी तरह समाप्त कर जिला बरनाला को प्रदूषण मुक्त बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

जिले में शुरू हुए 2 और आम आदमी क्लीनिक

सांसद मीत हेयर ने गांव हरिगढ़ में किया आम आदमी क्लीनिक का उद्घाटन

डेली आवाज भारती

बरनाला। पंजाब सरकार की ओर से जिले में आज 2 और आम आदमी क्लीनिक शुरू किए गए। गांव हरिगढ़ में संगरूर के सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने आम आदमी क्लीनिक का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की ओर से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से ये आम आदमी क्लीनिक शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन क्लीनिकों के माध्यम से प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं लोगों के घरों के बिल्कुल नजदीक पहुंच गई हैं। इससे लोगों को इलाज के लिए अपने गांव से दूर शहर के अस्पतालों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि ये क्लीनिक कम गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए काफी लाभदायक साबित हो रहे हैं। मीत हेयर ने कहा कि इन आम आदमी क्लीनिकों में मुफ्त चिकित्सा सहायता के साथ-साथ मुफ्त दवाइयां और टेस्ट की सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं के लिए अल्ट्रासाउंड की सुविधा और रेबीज से बचाव के लिए टीकाकरण भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्लीनिकों में साफ-सफाई के साथ मरीजों के बैठने और पीने के पानी का भी विशेष प्रबंध किया गया है। इसके अलावा जिले के गांव धूरकोट में बने आम आदमी क्लीनिक का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. हरिपाल सिंह सिद्धू ने किया। सिविल सर्जन ने बताया कि जिले के गांव हरिगढ़ और धूरकोट में आम आदमी क्लीनिक आज से शुरू हो गए हैं। अब जिले में कुल 19 आम आदमी क्लीनिक लोगों की स्वास्थ्य देखभाल में अहम भूमिका निभाएंगे। इस मौके पर हलका इंचार्ज हरिंदर धालीवाल, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. हरजीत सिंह, जिला मास मीडिया अधिकारी कुलदीप सिंह, डिप्टी मास मीडिया अधिकारी बलराज सिंह, गुरविंदर सिंह सहित गांव धूरकोट और हरिगढ़ की ग्राम पंचायतों के सदस्य उपस्थित थे।



'युद्ध नशों विरुद्ध' तहत बरनाला के डी.सी. ने ढिल्लवां में नशे के हॉटस्पॉट खत्म कर बच्चों के खेल मैदान और पार्क के निर्माण के निर्देश दिए

- युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए उपेक्षित स्थानों को मनोरंजन केंद्रों में बदला जाएगा : बरनाला डी.सी.

डेली आवाज भारती



बरनाला/गोपाल: भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के तहत नशे के दुरुपयोग के खिलाफ अभियान को और मजबूत करने के उद्देश्य से बरनाला के डिप्टी कमिश्नर हरप्रीत सिंह ने जिले के गांव ढिल्लवां में दो स्थानों को मनोरंजन सुविधाओं के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए हैं- इनमें बच्चों के लिए खेल का मैदान और गाँववासियों के लिए एक पार्क बनाया जाएगा। यह निर्देश एक बैठक के दौरान ढिल्लवां गांव के सरपंच हरविंदर सिंह खालसा द्वारा यह मुद्दा उठाए जाने के बाद दिए गए, उन्होंने बताया कि किस तरह गाँव में सार्वजनिक स्थानों की उपेक्षा एक बड़ी समस्या बन गई है और इन स्थानों को दोबारा उपयोग में लाकर गांव वासियों के लिए स्वस्थ वातावरण तैयार किया जा सकता है। गांव में ढिल्लवां सहित छह पंचायतें हैं, लेकिन बच्चों और युवाओं के लिए एक बड़े स्टेडियम की सुविधा उपलब्ध नहीं है। उनकी पंचायत में स्थित एक मैदान, जिसे मूल रूप से बच्चों के खेलने के लिए बनाया गया था, अनचाहे पेड़-पौधे और झाड़ियों से भर गया है, इसके कारण यह मैदान खेलकूद और मनोरंजक गतिविधियों के लिए अनुपयुक्त हो गया है। सरपंच ने गांव में खाली पड़े एक अन्य प्लॉट की ओर भी ध्यान दिलाया, जहां जंगली घास और झाड़ियां उग आई हैं। उन्होंने इस स्थान की सफाई करवाकर वहाँ पार्क विकसित करने का प्रस्ताव रखा, ताकि गांव निवासी इस जगह का पुन- उपयोग कर सकें।मामले पर संज्ञान लेते हुए, डिप्टी कमिश्नर हरप्रीत सिंह ने तुरंत जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी (डी.डी.पी.ओ.) को निर्देश दिए कि ढिल्लवां में दोनों स्थानों की सफाई सुनिश्चित की जाए और वहां खेल मैदान तथा पार्क विकसित किए जाएं। इस प्रस्तावित पहल का उद्देश्य केवल सख्त कार्रवाई के माध्यम से ही नहीं, बल्कि गांव के बुनियादी ढांचे में सुधार करके भी नशे की समस्या से निपटना है। उपेक्षित सार्वजनिक स्थानों को पुन- उपयोग में लाने से नशे के सेवन जैसी अवैध गतिविधियों के लिए उपलब्ध अवसरों को कम करने में मदद मिल सकती है और वहीं, खेलकूद और मनोरंजन की सुविधाएँ विकसित होने से युवाओं को खेलों तथा रचनात्मक सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

चार लोगों ने हवाई फायरिंग करके व्यक्ति की कार के शीशे तौड़े

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): थाना सिटी जीरा की पुलिस ने बीते दिन एक घर के बाहर फायरिंग करके व्यक्ति की कार की तौड़-फौड़ करने वाले चार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं तहत शिकायतकर्ता के बयान पर मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना सिटी जीरा के एएसआई निर्मल सिंह ने बताया कि पुलिस को दिए बयान में शिकायतकर्ता दविन्द्र सिंह पुत्र गुरचरन सिंह वासी गांव बुले ने बताया कि वह बीते दिन जब अपनी आई-20 कार पर सवार होकर दोस्त के साथ घर जा रहा था तो रास्ते में अनमोल वासी मक्खू रोड जीरा, जसपाल सिंह पुत्र हरबंस सिंह वासी गांव बंडालानौ बंब, जज भुल्लर वासी बंडाला नौ बंब व करन वासी झतरा रोड जीरा ने अपनी गाडि ों से उसकी गाड़ी को रोकने की कोशिश की तो वह अपनी गाड़ी को भगाकर अपने रिश्तेदार के घर में घूस गया। पीड़ित ने बताया कि इस दौरान दोषियों ने घर के बाहर हवाई फायरिंग की और बेसबाल आदि के साथ उसकी गाड़ी के शीशे वगैरा तौड़ दिए। जिसके बाद दोषी वहां से फरार हो गए। मामले की जांच कर रहे निर्मल सिंह ने बताया कि पुलिस ने उक्त दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज करके अगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

जागरूकता कार्यक्रम में एमएसएमई की उत्पादकता बढ़ाने को सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

पीएचडीसीसीआई ने किया रैंप जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

डेली आवाज भारती

पंचकूला। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के सहयोग से पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के हरियाणा चेप्टर की तरफ से रेजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉरमेंस (रैंप) जागरूकता कार्यशाला का आयोजन यहां किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एमएसएमई के बीच प्रमुख सरकारी योजनाओं और व्यावसायिक अवसरों के बारे में जागरूकता पैदा करना था, ताकि वे अपने कामकाज के प्रदर्शन (ऑपरेशनल परफॉरमेंस) को बेहतर बना सकें, टिकाऊ (सस्टेनेबल) तौर-तरीकों को अपना सकें, डिजिटल साक्षरता बढ़ा सकें और अपनी निर्यात



क्षमताओं को मजबूत कर सकें। पीएचडीसीसीआई के कॉर्पोरेट अफेयर्स के कन्वीनर, सीए राहुल जोगी ने स्वागत भाषण में एमएसएमई की व्यावसायिक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए उन्हें समर्थन देने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जागरूकता बढ़ाने वाली पहलें एमएसएमई को सरकारी योजनाओं को समझने, कामकाज में आने वाली चुनौतियों को दूर करने और विकास के नए अवसरों की पहचान करने में कैसे मदद कर सकती हैं। उन्होंने बदलते कारोबारी माहौल में नवाचार (इनोवेशन), स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) और प्रतिस्पर्धात्मकता के महत्व पर भी जोर दिया। फ्लोरिडा कंसल्टेंट्स के प्रबंधक ऋषभ शर्मा ने व्यावसायिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने में %संसाधन दक्षता% (रिसोर्स एफिशिएंसी) और %टिकाऊ विनिर्माण% (सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग) के महत्व के बारे में बात की। सूर्या ज़ीरो वेस्ट मैनेजमेंट के संस्थापक गौतम शर्मा ने %सर्कुलर इकॉनमी% (चक्रीय अर्थव्यवस्था) के सिद्धांतों और कचरे के जिम्मेदार प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट) के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने एमएसएमई के लिए कचरा कम करने, संसाधनों की रिकवरी को बढ़ावा देने और ऐसी प्रक्रियाओं को अपनाने के अवसरों पर प्रकाश डाला। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के सहायक निदेशक, हीरा लाल ने निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं और उन सरकारी पहलों के बारे में जानकारी दी, जिन्हें व्यवसायों को अपनी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति बढ़ाने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कंबाइन हार्वेस्टर से शाम 6 बजे से सुबह 10 बजे तक धान की कटाई पर रोक

- आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ की जाएगी कानूनी कार्रवाई:आर.टी.ओ विश्वजीत सिंह सिद्धू

डेली आवाज भारती



फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): जिला मजिस्ट्रेट फिरोजपुर के आदेशों के अनुसार जिला फिरोजपुर में कंबाइन हार्वेस्टर से धान की कटाई शाम 6 बजे से सुबह 10 बजे तक करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए आर.टी.ओ फिरोजपुर विश्वजीत सिंह सिद्धू ने बताया कि संबंधित आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने किसानों और कंबाइन हार्वेस्टर चालकों से अपील की कि वे निर्धारित समय के अनुसार ही धान की कटाई करें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तुरंत अमल में लाई जाएगी।

लुधियाना से 15 दिनों में 82.6 टन पर्सिमोन फल की रेल मार्ग द्वारा ढुलाई, देश के छह प्रमुख शहरों तक पहुंचा माल

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार के मार्गदर्शन में फिरोजपुर मंडल के बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट के विशेष प्रयासों से पर्सिमोन फल की रेल मार्ग द्वारा ढुलाई को लगातार बढ़ावा मिल रहा है।लुधियाना रेलवे स्टेशन से, 1 अक्टूबर से 15 अक्तूबर 2026 तक, विभिन्न ट्रेनों के माध्यम से 3,361 पैकेटों में कुल 82.6 टन पर्सिमोन फल हावड़ा, कोलकाता, गुवाहाटी, पटना, सियालदह और बांद्रा टर्मिनस के लिए भेजा गया। रेल परिवहन के माध्यम से फल व्यापारियों को अपने उत्पाद देश के विभिन्न बाजारों तक पहुंचाने का सुविधाजनक विकल्प मिल रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट परमदीप सिंह सैनी ने बताया कि फिरोज़पुर मंडल की विश्वसनीय एवं समयबद्ध माल परिवहन व्यवस्था व्यापारियों के लिए काफी लाभकारी साबित हो रही है। मंडल माल यातायात बढ़ाने तथा पर्यावरण-अनुकूल परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।



ट्रेन के जरिए भेजे जा रहे पर्सिमोन फल की तरस्वीर।

पुलिस ने सूचना पर छापेमारी करके 1 टिप्पर एवं ट्रैक्टर-ट्राली रेता से भरी बरामद की

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): थाना मक्खू की पुलिस ने समाज विरोधी अनसरों के खिलाफ चलाई मुहिम तहत बीते दिन गश्त व चैकिंग के दौरान मिली सूचना क अधार पर छापेमारी करके रेता से भरा टिप्पर और ट्रैक्टर-ट्राली बरामद की है। उक्त मामलें में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी व माईनिंग की धाराओं तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना मक्खू के एएसआई रणजीत सिंह ने बताया कि उन्होंने बीते दिन पुलिस पार्टी के साथ गश्त व चैकिंग के दौरान मिली सूचना के अधार पर छापेमारी करके 1 टिप्पर एवं एक सोनालिका ट्रैक्टर-ट्राली रेता से भरी हुई बरामद की है। मामले की जांच कर रहे रणजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने उक्त मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करके अगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

परविंदर सिंह झोटे की हत्या के विरोध में पंजाब बंद के अह्वान पर पूर्ण बंद रहा फिरोजपुर

व्यापारियों ने दुकानें बंद रखकर पंजाब बंद के आह्वान का किया समर्थन, मेडिकल सुविधाएं जारी रहीं

डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): मानसा में परविंदर सिंह झोटे की हत्या के विरोध में दिए गए पंजाब बंद के आह्वान का फिरोजपुर में भी वीरवार को व्यापक असर देखने को मिला। मालूम हो कि शहर के बाजारों में दुकानें बंद रहीं और व्यापारियों ने अपना कारोबार बंद रखकर विरोध प्रदर्शन के आह्वान का समर्थन दिया। इस दौरान आवश्यक मेडिकल सुविधाएं जारी रहीं। इस दौरान विभिन्न संगठनों की तरफ से प्रदर्शन करते हुए शहर में शांती मार्च करते हुए छावनी की चुंगी नंबर-7 के नजदीक रोष प्रदर्शन करके सरकार व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। इस मौके पर व्यापारियों ने बताया कि पंजाब बंद के आह्वान के तहत बाजार पूरी तरह बंद है। उन्होंने कहा कि मानसा में हुई घटना के विरोध में लोगों ने अपनी दुकानें बंद रखी हैं। इस दौरान विभिन्न संस्थाओं की तरफ से धरना प्रदर्शन कर रहे नेताओं ने परमिंदर सिंह झोटे की हत्या के मामले में इंसाफ की मांग उठाई और कहा कि परमिंदर सिंह झोटे के हत्यारों को फांसी की सजा दी जाए ताकि किसी और का बेटा नशे के व्यापारियों का शिकार न बने। उन्होंने पंजाब भर में मेडिकल नशीले पदार्थों की बिक्री पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मेडिकल नशा पंजाब की युवा पीढ़ी को दीमक की तरह खा रहा है, पंजाब सरकार और पुलिस प्रशासन को मेडिकल मालिकों और अन्य नशे के व्यापारियों पर नकेल कसनी चाहिए, तांकि पंजाब की जवानी को तबाही से बचाया जा सके। प्रदर्शनकारियों ने पंजाब सरकार का नशे के खिलाफ युद्ध अभियान बुरी तरह विफल साबित हुआ है और पंजाब के लोग हर समय गैंगस्टरवाद के डर के साये तले जी रहे हैं, हल्का जीरा में आए दिन गोली चलने की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि अपनी रक्षा करने वाले पंजाबियों को हथियारों के लाइसेंस लेने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि गुंडा तत्व सरेआम अवैध हथियार लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि परमिंदर सिंह झोटे को जल्द इंसाफ नहीं मिला तो संघर्ष तेज किया जाऐगा।



पंजाब बंद के दौरान बंद पड़ा फिरोजपुर का बाजार और संस्थाओं के पदाधिकारी प्रदर्शन करते हुए।

page 4_Layout 1 15-10-2026 19:03 Page 1

'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान के अंतर्गत जिले के 56 चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्रों में कौशल विकास एवं स्वरोजगार संबंधी जागरूकता शिविर आयोजित

अब तक 13 हॉटस्पॉट क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर युवाओं को कौशल प्रशिक्षण, रोजगार एवं स्वरोजगार योजनाओं की दी जा रही जानकारी

- पंजाब कौशल विकास मिशन के अंतर्गत पात्र उम्मीदवारों को निःशुल्क प्रशिक्षण, प्रशिक्षण सामग्री एवं वर्दियां उपलब्ध

डेली आवाज भारती



अमृतसर, (सलोनी नेहा गिल) पंजाब सरकार तथा डिप्टी कमिश्नर, अमृतसर के दिशा-निर्देशों के अनुसार 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान के अंतर्गत जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो, अमृतसर द्वारा जिले के चिन्हित 56 हॉटस्पॉट क्षेत्रों में युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार के अवसरों तथा स्वरोजगार योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (शहरी विकास), अमृतसर ने बताया कि इन शिविरों का उद्देश्य युवाओं को विभिन्न कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की जानकारी प्रदान करना, उन्हें रोजगार के अवसरों से अवगत करवाना तथा स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि जिले के चिन्हित 56 हॉटस्पॉट क्षेत्रों में से अब तक 13 क्षेत्रों में जागरूकता शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों का आयोजन गांव भिट्टेवड, डग, टपियाला, चविंडा कलां एवं वैरा के अतिरिक्त शहरी क्षेत्रों मोहन नगर वेरका, संत नगर वेरका, गेट हकीमां, अनगढ़ तथा फतेहपुर सहित अन्य स्थानों पर किया गया है। उन्होंने बताया कि पंजाब कौशल विकास मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के संबंध में युवाओं को विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत उम्मीदवारों को निःशुल्क प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रशिक्षण सामग्री एवं वर्दियां भी उपलब्ध करवाई जाती हैं, ताकि वे आवश्यक कौशल प्राप्त कर रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकें।

जिला रोजगार उत्पत्ति, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यालय, अमृतसर के डिप्टी डायरेक्टर श्री प्रभजोत सिंह ने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार हासिल करने तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें नशे से दूर रखने के उद्देश्य से यह पहल की जा रही है। उन्होंने आगे बताया कि स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक उम्मीदवारों को विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा संचालित ऋण योजनाओं के संबंध में भी जानकारी प्रदान की जा रही है, ताकि वे संबंधित योजनाओं के तहत उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकें। इसके अतिरिक्त, जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो में उपलब्ध सेवाओं एवं सुविधाओं के बारे में भी उम्मीदवारों को अवगत करवाया जा रहा है। इन जागरूकता शिविरों में श्री राजेश कुमार बाहरी, बी.एम.एम. (पी.एस.डी.एम.), श्री स्वराज सिंह, श्री सुरिंदर सिंह तथा श्री दीपक कुमार सहित अन्य संबंधित कर्मियों ने भाग लिया और उपस्थित लोगों को कौशल विकास, रोजगार तथा स्वरोजगार से संबंधित योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

डिप्टी कमिश्नर ने किसानों से धान की पराली न जलाने की अपील की

- पराली जलाने से भूमि की उपजाऊ शक्ति होती है कम और पर्यावरण होता है प्रदूषित
- बेलर मशीन से पराली की गांठें बनाकर किसान कमा सकते हैं अतिरिक्त आय

डेली आवाज भारती



अमृतसर, सलोनी नेहा गिल) डिप्टी कमिश्नर श्री दलविंदरजीत सिंह ने जिले के किसानों से धान की पराली न जलाने की अपील करते हुए कहा कि पराली जलाने से भूमि की उपजाऊ शक्ति कम होती है, मित्र कीट नष्ट हो जाते हैं और पर्यावरण प्रदूषित होता है। पराली जलाने से निकलने वाले जहरीले धुएं का बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे फसल अवशेषों को आग लगाने के बजाय खेतों में ही मिलाने को प्राथमिकता दें। उन्होंने बताया कि एक टन पराली जलाने से लगभग 400 किलोग्राम जैविक कार्बन, 5.5 किलोग्राम नाइट्रोजन, 2.3 किलोग्राम फास्फोरस, 25 किलोग्राम पोटाश और 1.2 किलोग्राम सल्फर का नुकसान होता है। इसलिए भूमि की उपजाऊ शक्ति बनाए रखने और पर्यावरण की रक्षा के लिए पराली का उचित प्रबंधन बेहद आवश्यक है। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि किसान बेलर मशीन की सहायता से पराली की गांठें बनाकर उन्हें बेच सकते हैं और अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को पराली को अनावश्यक बोझ समझने के बजाय इसे आय के एक संभावित स्रोत के रूप में देखना चाहिए। इसके अतिरिक्त, पराली का उपयोग पशुओं के सूखे चारे के रूप में भी किया जा सकता है। उन्होंने जिले के सभी किसानों से अपील की कि वे पराली जलाने से परहेज करें तथा इसका उचित प्रबंधन करके पर्यावरण की शुद्धता, मिट्टी की गुणवत्ता और लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

लौंगोवाल में क्वक्र-फार्म सलाहकार सेवा केंद्र संगरूर द्वारा पराली प्रबंधन और खादों के संतुलित इस्तेमाल संबंधी जागरूकता कैंप

- किसानों से धान की पराली न जलाने और टिकाऊ पराली प्रबंधन तकनीकें अपनाने की अपील

डेली आवाज भारती



लौंगोवाल/मोहिंदर सिंह। पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (PAU), लुधियाना के निदेशक प्रसार शिक्षा के नेतृत्व में PAU-फार्म सलाहकार सेवा केंद्र (FASC), संगरूर द्वारा गांव लौंगोवाल (बटूहा खुर्द) में कृषि अवशेषों के खेत में प्रबंधन (In-situ Crop Residue Management –CRM) और खादों के संतुलित इस्तेमाल संबंधी गांव स्तरीय किसान जागरूकता कैंप लगाया गया। किसानों को संबोधित करते हुए डॉ. अशोक कुमार गर्ग, सीनियर प्रसार वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) ने धान की पराली को जलाने से पूरी तरह परहेज करने और पर्यावरण के अनुकूल व टिकाऊ पराली प्रबंधन तकनीकें अपनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि पराली को खेत में ही संभालने से न केवल वायु प्रदूषण कम करने में मदद मिलती है, बल्कि कीमती पोषक तत्वों का दोबारा इस्तेमाल होता है, मिट्टी में जैविक पदार्थ बढ़ता है, मिट्टी की सेहत में सुधार होता है और लंबे समय तक मिट्टी की उत्पादकता बनी रहती है। पराली जलाने से होने वाले पोषक तत्वों के नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. गर्ग ने बताया कि एक टन धान की पराली जलाने से लगभग 400 किलोग्राम जैविक कार्बन, 5.5 किलोग्राम नाइट्रोजन, 2.3 किलोग्राम फास्फोरस, 25 किलोग्राम पोटाश और 1.2 किलोग्राम सल्फर का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि इन कीमती तत्वों को जलाने के बजाय उचित पराली प्रबंधन तकनीकों के माध्यम से खेत में ही संरक्षित करके दोबारा मिट्टी में मिलाया जाना चाहिए, जिससे मिट्टी की उपजाऊ शक्ति और जैविक सेहत में सुधार होता है। डॉ. गर्ग ने इन-सीटू पराली प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों, जैसे हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, PAU स्मार्ट सीडर और सरफेस सीडिंग-कम-मल्चिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन तकनीकों के इस्तेमाल से पराली जलाए बिना गेहूं की समय पर बुवाई की जा सकती है। उन्होंने मिट्टी की जांच को तर्कसंगत खाद प्रबंधन का आधार बताते हुए किसानों को मिट्टी और फसल की वास्तविक जरूरत के अनुसार पोषक तत्वों का इस्तेमाल करने की सलाह दी। उन्होंने टिकाऊ फसल उत्पादन के लिए एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (INM) के साथ खादों के उचित और संतुलित इस्तेमाल पर जोर दिया।

दशमेश खालसा कॉलेज में आयोजित की गई 'एन.डी.ए. संबंधी कार्यशाला'

कैप्टन संदीप कुमार ने छात्रों को सेना में भविष्य के अवसरों के प्रति किया जागरूक

डेली आवाज भारती



कैप्टन संदीप कुमार को सम्मानित करते कॉलेज के प्रिंसिपल और अन्य स्टाफ सदस्य।

ज़ीरकपुर/तरनप्रीत सिंह गिल : दशमेश खालसा कॉलेज, ज़ीरकपुर में ÷एन.डी.ए. संबंधी कार्यशाला÷ का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय सेना के अधिकारी कैप्टन संदीप कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। कैप्टन संदीप कुमार ने विद्यार्थियों में एन.डी.ए. परीक्षा के प्रति जागरूकता और रुचि पैदा करने के उद्देश्य से अपने विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को इस परीक्षा की योग्यता, प्रक्रिया, पाठ्यक्रम, तैयारी और भविष्य के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यशाला के दौरान भारतीय सेना से संबंधित अधिकारियों की एक विशेष टीम ने एन.डी.ए. संबंधी प्रैक्टिकल ड्रिल भी करवाई और इस क्षेत्र में उपलब्ध भविष्य के अवसरों के बारे में विद्यार्थियों को बारीकी से समझाया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. करमबीर सिंह ने बताया कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के शैक्षणिक संस्थानों में एन.डी.ए. (नेशनल डिफेंस एकेडमी) की परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी उद्देश्य के तहत दशमेश खालसा कॉलेज में एन.डी.ए. के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए क्लासरूम टीचिंग के साथ-साथ फिजिकल ट्रेनिंग का भी उचित प्रबंध किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को इस परीक्षा की उचित तैयारी के लिए पूरी सुविधाएं प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों में से दशमेश खालसा कॉलेज ने पहल करते हुए एन.डी.ए. परीक्षा की तैयारी के लिए प्रैक्टिकल ड्रिल की सुविधा भी उपलब्ध करवाई है। कार्यशाला में कॉलेज के विद्यार्थियों के अलावा सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल रामगढ़ भुड्डा, सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल दयालपुरा, सरकारी हाई स्कूल छत और माउंट व्यू पब्लिक स्कूल बलटाना के विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो. प्रभजीत सिंह, प्रो. मनवीन कौर, डॉ. किरणपाल कौर, प्रो. रविता सैनी, प्रो. माला मलिक, डॉ. वंदना, डॉ. सिमर, प्रो. दीपिका कोमल, प्रो. जसबीर सिंह, राजेश, प्रो. शाइना, प्रो. बूवनीत कौर और प्रो. आंचल ने अपना पूर्ण योगदान दिया।

गाड़ियों पर सवार कुछ लोगों की तरफ से की गई फायरिंग में गोली लगने से व्यक्ति की हुई मौत

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): थाना जीरा की पुलिस ने बीते दिन कुछ लोगों की तरफ से की गई फायरिंग में गोली लगने से व्यक्ति की मौत हो जाने का मामले में कार्रवाई करते हुए 3 लोगों सहित 6 अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या एवं अन्य धाराओं तहत मृतक के रिश्तेदार युवक के बयान पर मामला दर्ज किया है। जानकारी देते हुए थाना जीरा सिटी के इंस्पैक्टर जसविन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस को दिए बयान में शिकायतर्ता सुखविन्द्र सिंह पुत्र रुप सिंह वासी गांव लहरा रोही ने बताया कि उसका चाचा बसंत सिंह अपने पोतरे को ट्यूशन छोडऩे के बाद बीते दिन डेरा धन-धन बाबा सर्बदास, पुरानी तलवंडी रोड जीरा पर बाहर लगे सीमेंट के बैंच पर बैठा हुआ था तो शाम करीब 5.15 पर दाना मंडी जीरा की साईड से 2 गाड़ीयों पर देव अरोड़ा पुत्र सोनू वासी कोट इसेखां रोड जीरा, करन बासी पुत्र कुलवीर सिंह वासी हरदासा हाल तलवंडी भाई, अर्जुन बावा पुत्र शशि भूषन वासी नजदीक छत्ती खुह जीरा व 6 के करीब अज्ञात व्यक्ति सवार होकर आए और उन्होंने हवाई फायरिंग की। पीड़ित ने बताया कि उक्त लोगों की तरफ से की गई फायरिंग के दौरान एक गोली उसके चाचा बसंत सिंह को लगी, जिससे जख्मी होने से बसंत सिंह ीक मौत हो गई। मामले की जांच कर रहे जसविन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने उक्त सभी दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज करके अगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

जिला एस.ए.एस. नगर में पटाखों की बिक्री के लिए जारी होंगे 43 लाइसेंस

जिला प्रशासनिक परिसर में निकाला गया ड्रॉ.

डेली आवाज भारती



साहिबजादा अजीत सिंह नगर/ संदीप अकालगढ़िया : जिला साहिबजादा अजीत सिंह नगर में पटाखों की बिक्री के लिए आवेदन करने वाले लोगों को 43 अस्थायी लाइसेंस जारी करने के लिए गठित समिति द्वारा आज जिला प्रशासनिक परिसर, सेक्टर-76 में ड्रॉ निकाला गया। यह ड्रॉ डिप्टी कमिश्नर श्रीमती कोमल मित्तल, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) श्रीमती गीतिका सिंह, एस.डी.एम. दमनदीप कौर, सहायक कमिश्नर (जनरल) डॉ. अंकिता कांसल तथा अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता की उपस्थिति में पूरी वीडियोग्राफी के साथ संपन्न हुआ।

पारदर्शी और निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाते हुए आम जनता की उपस्थिति में ड्रॉ निकाला गया। उल्लेखनीय है कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने अपने आदेशों तथा पंजाब सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार वर्ष 2016 में जारी लाइसेंसों की तुलना में केवल 20 प्रतिशत लाइसेंस जारी करने के निर्देश दिए हुए हैं। ड्रॉ के बाद डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती कोमल मित्तल ने बताया कि प्रशासन को जिले भर में 43 अस्थायी लाइसेंसों के लिए कुल 2,118 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2,097 आवेदन सही पाए गए। उन्होंने बताया कि मोहाली और बनूड़ में पटाखों की बिक्री के लिए 18 लाइसेंसों के वास्ते 1,910 आवेदन प्राप्त हुए। खरड़ और कुराली में पटाखों की बिक्री के लिए 7 लाइसेंसों के वास्ते 31 आवेदन मिले, जबकि नया गांव के लिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ, जिसके कारण वहां ड्रॉ नहीं निकाला गया।

डेराबस्सी के लिए 6 लाइसेंसों के वास्ते 162 आवेदन प्राप्त हुए। इसके अलावा लालडू और जीरकपुर में पटाखों की बिक्री के लिए 12 लाइसेंसों के वास्ते 15 आवेदन मिले। जीरकपुर में 8 लाइसेंसों के लिए केवल 8 आवेदन प्राप्त होने के कारण ड्रॉ नहीं निकाला गया। प्राप्त आवेदनों के अनुसार ही आवेदकों को लाइसेंस जारी कर दिए जाएंगे। जिले में पटाखों की बिक्री को व्यवस्थित बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए श्रीमती कोमल मित्तल ने कहा कि जिले में पटाखों की बिक्री के लिए केवल 15 स्थान निर्धारित किए गए हैं। इन स्थानों के अलावा कहीं भी पटाखों की बिक्री की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया कि किसी को भी निर्धारित तिथि और समय से पहले या बाद में पटाखे चलाने तथा बिना लाइसेंस के पटाखों की बिक्री करने की अनुमति नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने अदालत की अनुमति के बिना पटाखा कारोबारियों को स्थायी लाइसेंस जारी करने पर रोक लगाई हुई है। इसके अलावा अस्थायी लाइसेंस जारी करने की संख्या भी सीमित कर दी गई है।

डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि 8 नवंबर को दिवाली के दिन शाम 8 बजे से रात 10 बजे तक तथा 24 नवंबर को गुरुपर्व के दिन सुबह 4 बजे से 5 बजे तक और रात 9 बजे से 10 बजे तक निर्धारित ध्वनि सीमा के भीतर ही पटाखे चलाने की अनुमति होगी। इन निर्धारित तिथियों और समय से पहले या बाद में कोई भी निवासी पटाखे नहीं चलाएगा। सभी लोगों को माननीय अदालत के आदेशों का पालन करना होगा। कोई भी व्यक्ति गैरकानूनी तरीके से पटाखों का भंडारण नहीं करेगा और न ही बिना लाइसेंस के उनकी बिक्री करेगा। पटाखों की बिक्री के लिए निर्धारित स्थानों, प्रमुख शर्तों और अधिक जानकारी के लिए जिला प्रशासन की वेबसाइट 222.ह्यडुह्यठ्ठडु-द्दडुह.ठ्ठद्बष्.द्बठ्ठ पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

पंजाब प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष बलजीत कौर ने सरदार परगट सिंह जी से की मुलाकात



- वर्ष 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों और महिला कांग्रेस को मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

डेली आवाज भारती

खरड़/संदीप अकालगढ़िया ,आज पंजाब प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती बलजीत कौर ने पंजाब प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष सरदार परगट सिंह जी से मुलाकात की। इस दौरान वर्ष 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों की तैयारियों तथा पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान बलजीत कौर ने महिला कांग्रेस की गतिविधियों, संगठनात्मक ढाँचे को मजबूत बनाने, महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर महिला कांग्रेस की सक्रिय भूमिका तथा अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ने के महत्व पर जोर दिया। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई।

'पुकार' संस्था द्वारा सरकारी स्कूलों में स्टेशनरी वितरण अभियान के तहत जरूरतमंद बच्चों को बांटी गई सामग्री

- ए.एस.पी. गज़लप्रीत कौर ने विद्यार्थियों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

डेली आवाज भारती



स्टेशनरी वितरण अभियान के तहत जरूरतमंद बच्चों को सामग्री भेंट करते एएसपी गज़लप्रीत कौर और संस्था के सदस्य।

ज़ीरकपुर/तरनप्रीत सिंह गिलः 'पुकार - द वॉयस ऑफ ह्यूमैनिटी' द्वारा सरकारी प्राइमरी स्कूल, हरमिलाप नगर और सरकारी हाई स्कूल, बलटाना में 13वें और 14वें स्टेशनरी वितरण अभियान का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण पहल का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाना और उन्हें अपनी शिक्षा निरंतर जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस कार्यक्रम में सुश्री गज़लप्रीत कौर, आईपीएस, ए.एस.पी. ज़ीरकपुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उनके साथ समाज सेवी राजन पांडे भी विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए गज़लप्रीत कौर ने विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों और नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जागरूक किया। उन्होंने बच्चों को नशे से हमेशा दूर रहने, सतर्क रहने और अपने आसपास के इलाके में नशे से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि के बारे में तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करने के लिए प्रेरित किया। इस अभियान को सफल बनाने में पुकार संस्था के स्वयंसेवकों ललित, दिव्या और प्रीति ने भी विशेष योगदान दिया और कार्यक्रम के दौरान अपनी सेवाएं दीं। संस्था द्वारा स्कूल प्रबंधकों, अध्यापकों और समस्त सहयोगियों का इस नेक कार्य को सफल बनाने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया गया। गौरतलब है कि पुकार संस्था अपने लक्ष्य स्टेशनरी प्रोजेक्ट के तहत लगातार विद्यार्थियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने और जरूरतमंद छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए ऐसे सराहनीय प्रयास लगातार जारी रख रही है।

नशे के विरुद्ध किसान संगठनों ने किया पंजाब बंद का आह्वान, अमृतसर में गोल्डन गेट के सामने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

डेली आवाज भारती



अमृतसर । पंजाब के अमृतसर में गोल्डन गेट के सामने बड़ी संख्या में एकजुट हुए किसानों ने गुरुवार को राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। किसानों ने नशे के बढ़ते प्रभाव और पंजाब सरकार की नीतियों के विरोध किया है। किसान मजदूर संघर्ष समिति (केएमएससी) और अन्य संगठनों की ओर से गुरुवार को%पंजाब बंद% का आह्वान किया गया। इसी कड़ी में अमृतसर में गोल्डन गेट के नजदीक किसान नेता सरवन सिंह पंधेर के नेतृत्व में दर्जनों किसानों और समर्थक एकजुट हुए। उन्होंने पंजाब सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। पंधेर ने स्पष्ट किया कि पुतला दहन के बाद प्रदर्शनकारी एकजुट होकर मार्च निकालेंगे।किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि गुरुवार को %पंजाब बंद% का आह्वान किया गया है। किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) की तमाम यूनियन %पंजाब बंद% को सफल करने के लिए राज्य के लोगों से भी आह्वान कर रही है। राज्य में ड्रग्स माफिया और नशे के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि किसान मजदूर संघर्ष समिति तथा विभिन्न यूनियनों के आह्वान पर पूरे पंजाब और जिला मुख्यालयों पर बंद को भारी समर्थन मिल रहा है। पंधेर ने पंजाब के आम नागरिकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि लोगों ने स्वतः ही दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रखकर इस आंदोलन को सफल बनाया है। आंदोलन के दौरान आम जनता को होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए पंधेर ने कहा कि बंद के दौरान एम्बुलेंस और अन्य सभी आपातकालीन (इमरजेंसी) सेवाओं को पूरी तरह से छूट दी गई है और उन्हें बहाल रखा गया है। उन्होंने आंदोलनकारियों और पंजाब के लोगों से अपील की कि पूरा प्रदर्शन शांतिपूर्ण और अमन-चैन के साथ होना चाहिए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि कोई भी असामाजिक या शरारती तत्व इस प्रदर्शन के बीच माहौल खराब करने की कोशिश न करे। किसान नेता ने कहा कि जब तक सरकार राज्य में नशे के कारोबार पर नकेल नहीं कसती और किसानों की मांगों पर ध्यान नहीं देती, तब तक उनका यह संघर्ष और विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

CMYK

page 5_Layout 1 15-10-2026 21:34 Page 1

पंजाब में नहीं आने दी जाएगी बिजली की कोई कमी

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से की मुलाकात

डेली आवाज भारती



पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र,पंजाब को बिजली और कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। देश के अन्न भंडार में योगदान जारी रखने के लिए पंजाब को निर्बाध बिजली आपूर्ति बेहद जरूरी है।नई दिल्ली/पंजाब- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को कहा कि पंजाब में बिजली की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। क्योंकि केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ हुई बैठक के बाद केंद्र ने राज्य को बिजली और कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब इस वर्ष केंद्रीय पूल में 180 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) चावल का योगदान देगा। उन्होंने कहा कि देश के अन्न भंडार में राज्य के इस योगदान को लगातार जारी रखने के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति अनिवार्य है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शाहपुर कंडी बांध के संबंध में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा बार-बार जारी किए जा रहे नोटिसों पर भी चिंता जताई और बताया कि कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार कोल इंडिया और झारखंड सरकार के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है।इस बैठक के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आज मैंने केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसके दौरान पंजाब को बिजली और कोयले की निर्बाध आपूर्ति से संबंधित मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। हमने केंद्र को अवगत कराया कि पंजाब देश के अन्न भंडार में 180 लाख मीट्रिक टन चावल का योगदान देता है और इस योगदान को बनाए रखने के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति बेहद जरूरी है। मुझे खुशी है कि केंद्रीय मंत्री ने हमारी लगभग सभी मांगें स्वीकार कर ली हैं और बिजली तथा कोयले की निर्बाध आपूर्ति का भरोसा दिया है। हमने भी अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है कि पंजाब देश के अन्न भंडार में अपना बहुमूल्य योगदान जारी रखेगा। इंकलाब जिंदाबाद।बैठक में क्या चर्चा? बैठक के बाद मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि बैठक के दौरान पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) से संबंधित कई मुद्दों, विशेष रूप से कोयले की आपूर्ति और बिजली के संबंध में विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पंजाब को कोयले या बिजली की किसी प्रकार की कमी का सामना न करना पड़े और बिजली उत्पादन बिना किसी रुकावट के जारी रहे। पंजाब केंद्रीय पूल में 180 लाख मीट्रिक टन चावल की आपूर्ति करता है और इतनी बड़ी मात्रा में अनाज उत्पादन के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति अत्यंत जरूरी है।

पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तरनतारन हत्याकांड का मुख्य आरोपी गुरलाल सिंह हरियाणा से गिरफ्तार

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस ने तरनतारन जिले में हुई हत्या के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी गुरलाल सिंह को गिरफ्तार किया है। पंजाब की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स ने हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के साथ संयुक्त अभियान चलाकर यह गिरफ्तारी की। आरोपी सितंबर 2026 में तरनतारन जिले के नौशेरा पन्नुआं में अजमीत सिंह की हत्या के मामले में वांछित था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस कार्रवाई की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर पंजाब और हरियाणा पुलिस की टीमों ने समन्वित अभियान चलाया। इस दौरान आरोपी को हरियाणा के नूंह जिले से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, इस हत्याकांड की जांच के दौरान इससे पहले एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स पंजाब ने तरनतारन पुलिस के साथ मिलकर एक अन्य आरोपी साजनप्रीत सिंह को भी गिरफ्तार किया था। अब मुख्य आरोपी गुरलाल सिंह की गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

अधिकारियों के मुताबिक, दोनों राज्यों की पुलिस के बीच बेहतर समन्वय और खुफिया सूचनाओं के आधार पर चलाए गए अभियान से आरोपी तक पहुंचने में मदद मिली।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अजमीत सिंह की हत्या कथित तौर पर विदेश में छिपे भगोड़े गैंगस्टरों प्रभ दस्सुवाल और डोनी बाल के इशारे पर की गई थी। पुलिस को आशंका है कि इस वारदात के पीछे गैंगों के बीच आपसी रंजिश हो सकती है।

हालांकि, हत्या के पीछे की पूरी वजह और आरोपियों की भूमिका की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद हो सकेगी। पुलिस इस मामले में आपराधिक नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है।

पंजाब पुलिस के अनुसार, इस मामले से जुड़े मॉड्यूल का पर्दाफाश कर दिया गया है। अब जांच एजेंसियां आरोपियों के आपसी संपर्कों, वारदात की साजिश और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी हैं। इसके लिए मामले की आगे और पीछे की कड़ियों (फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज) की जांच की जा रही है।

पंजाब पुलिस ने कहा कि राज्य में सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क को खत्म करना, अपराधियों को कानून के दायरे में लाना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता है। संगठित अपराध के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जालंधर में आप का सियासी फेरबदल

परगट के गढ़ में दीपक बाली को बनाया हलका इंचार्ज

डेली आवाज भारती



जालंधर। पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी ने जालंधर में एक बड़ा सांगठनिक फेरबदल किया है। पार्टी हाईकमान ने जालंधर कैंट हलका इंचार्ज को बदल दिया है। पार्टी ने अब दीपक बाली को जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें कैंट हलका इंचार्ज नियुक्त किया है। इससे पहले राजविंदर कौर थियाड़ा कैंट हलके की इंचार्ज थीं। आम आदमी पार्टी का यह कदम पंजाब कांग्रेस के नए बनाए गए प्रधान परगट सिंह के गढ़ में पार्टी के आधार को और मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। दीपक बाली लंबे समय से जालंधर और आसपास के राजनीतिक व सामाजिक हलकों में काफी सक्रिय रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में पहले से ही चर्चा जोरों पर थी कि वे 2027 विधानसभा चुनावों में कैंट विधानसभा क्षेत्र से अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं। अब पार्टी द्वारा उन्हें हलका इंचार्ज बनाए जाने के बाद इस क्षेत्र से उनकी राजनीतिक दावेदारी को और अधिक मजबूत कर दिया है।

परगट के सामने 'आप' का दांव

जालंधर कैंट के विधायक परगट सिंह के पंजाब कांग्रेस के प्रधान चुने जाने के बाद से ही ये सीट वीआईपी बन चुकी है और 2027 के चुनावों के लिए सबसे चर्चित सीटों में से एक है। ऐसे में आम आदमी पार्टी द्वारा एक मजबूत और सक्रिय चेहरे को हलका इंचार्ज बनाना यह साफ संकेत देता है कि आने वाले समय में इस सीट पर मुकाबला बेहद दिलचस्प और कड़ा होने वाला है।

परमिंदर सिंह झोटा की हत्या के विरोध में पंजाब बंद का न्यू चंडीगढ़ में भी दिखा असर

- मुल्लांपुर में कई जगहों पर सड़कें रोकीं, सुबह 9 से शाम 5 बजे तक बंद रहे रास्ते

डेली आवाज भारती







न्यू चंडीगढ़, (हरतेज सिंह तेजी) परमिंदर सिंह झोटा की हत्या के विरोध में वीरवार को पंजाब बंद के आह्वान का असर न्यू चंडीगढ़ और मुल्लांपुर क्षेत्र में भी देखने को मिला। चंडीगढ़ की ओर जाने वाले विभिन्न रास्तों पर अलग-अलग जत्थेबंदियों ने धरने लगाकर यातायात रोका। इस दौरान आसपास के गांवों के लोगों ने भी बंद का समर्थन किया। मुल्लांपुर की पीआर-4 रोड पर आसपास के गांवों के लोगों ने सड़क पर धरना देकर रास्ता बंद रखा। इस मोर्चे में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया। इनमें भाजपा नेता रंजीत सिंह गिल और जगदेव सिंह मलोया , सरपंच संजीव कुमार, कांग्रेस ब्लॉक प्रधान सतविंदर सिंह सिंह लंबर, रूपचंद सिसोदिया (विला जूस वार) सहित अन्य लोग शामिल रहे। वहीं, माजरी ब्लॉक में अकाली दल के नेता के रविंदर सिंह खेड़ा के नेतृत्व में भी मोर्चा लगाया गया। प्रदर्शनकारियों ने सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक रास्ता बंद रखा। इस दौरान आम लोगों और वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। प्रदर्शनकारियों की ओर से केवल आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहनों को ही गुजरने की अनुमति दी गई। पंजाब बंद के चलते न्यू चंडीगढ़ और मुल्लांपुर के विभिन्न मार्गों पर यातायात बाधित रहा। लोगों को चंडीगढ़ की ओर आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

अब अनजान नंबर से फोन आते ही दिखेगा कॉलर का नाम, फ्रॉड कॉल पर लगेगी लगाम

- कॉल आने पर फोन की स्क्रीन पर कॉलर का नंबर और उससे जुड़ा नाम दिखेगा

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। मोबाइल फोन पर अनजान नंबर से कॉल आने पर अब कॉल करने वाले की पहचान करना आसान हो सकता है। दूरसंचार विभाग (DoT) ने टेलिकॉम कंपनियों को 1 नवंबर 2026 से कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (CNAP) सर्विस लागू करने का निर्देश दिया है। इस सुविधा के तहत कॉल आने पर फोन की स्क्रीन पर कॉलर का नंबर और उससे जुड़ा नाम दिखाई देगा। इसका उद्देश्य लोगों को कॉल करने वाले की पहचान करने में मदद देना और फर्जी कॉल की पहचान आसान बनाना है।

अलग से एक्टिवेट करने की जरूरत नहीं

बताई गई व्यवस्था के मुताबिक, यूजर्स को इस सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए अलग से कोई सर्विस एक्टिवेट नहीं करनी होगी। दूरसंचार विभाग ने 1 नवंबर 2026 से सभी 4G और 5G मोबाइल नेटवर्क पर CNAP लागू करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, सेवा के वास्तविक संचालन और उपलब्धता की जानकारी संबंधित टेलिकॉम ऑपरेटर के अपडेट से स्पष्ट होगी।

वहीं अगर कॉल किसी दूसरे देश के नंबर से आती है, तो फोन की स्क्रीन पर कॉल करने वाले का नाम दिखने के बजाय "International Call" लिखा दिखाई दे सकता है। इससे यूजर को यह पहचानने में मदद मिलेगी कि कॉल विदेश से आ रही है। ट्रूकॉलर सर्विस के तहत अगर कॉल करने वाले का नंबर आपके फोन की कॉन्टैक्ट लिस्ट में सेव नहीं है, तो सिम लेते समय दर्ज कराए गए नाम के आधार पर कॉलर की पहचान स्क्रीन पर दिखाई जा सकती है। इससे अनजान नंबर से आने वाली कॉल के बारे में जानकारी मिल सकेगी और लोगों को यह समझने में मदद मिलेगी कि फोन किसकी ओर से किया जा रहा है।

नयागांव के विकास नगर में नगर परिषद का एक्शन

लोगों की शिकायत पर जेसीबी से तोड़ा गया लोहे का गेट

डेली आवाज भारती





नयागांवः (हरतेज सिंह तेजी) : स्थानीय लोगों की लगातार मिल रही शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नगर परिषद की टीम ने विकास नगर में एक गली में अवैध रूप से लगाए गए लोहे के गेट को जेसीबी की मदद से ढाह दिया। इस कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल देखा गया, लेकिन परिषद की सख्त कार्रवाई से स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली है। कार्रवाई के दौरान नगर परिषद के जेई अमनदीप शर्मा और सौरव आनंद अपनी पूरी टीम के साथ मौके पर मुस्तैद रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक रास्तों और गलियों में इस प्रकार के गेट लगाकर रास्ता रोकना नियमों के विरुद्ध है। नगर परिषद प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी अवैध कब्जों और रास्तों में रुकावट डालने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भगवंत मान सरकार ने नशा विरोधी मुहिम के तहत 20.64 करोड़ रुपये की दवाएं ज़ब्त कीं, 520 केमिस्टों के लाइसेंस सस्पेंड किए

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़। भगवंत मान सरकार ने नशा विरोधी कानूनों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अपना सख्त मुहिम और तेज़ कर दिया है, जिसके तहत फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन के ड्रग विंग ने 1 अप्रैल, 2025 से 30 सितंबर, 2026 के बीच 16,788 इंस्पेक्शन किए। इस दौरान, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और ड्रग्स रूल्स, 1945 का उल्लंघन करने के लिए 214 लाइसेंस्ड और अनलाइसेंस्ड फर्मों से 20.64 करोड़ रुपये की दवाएं ज़ब्त की गई, जबकि 520 केमिस्ट के लाइसेंस सस्पेंड किए गए और 22 केमिस्ट के लाइसेंस कैंसल किए गए।

पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के निर्देशों के तहत कानून का पालन मज़बूत करने और दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए नियमित तौर पर निरीक्षण किए जा रहे हैं। रिव्यू किए जा रहे समय के दौरान, नियम तोड़ने वालों के खिलाफ 54 कोर्ट केस दर्ज किए गए, जबकि 35 मामलों में दोषियों को सज़ा दी गई और जुर्माना लगाया गया। अभी, राज्य भर की अलग-अलग डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में कुल 650 केस पेंडिंग हैं। नशे की दवाओं के गलत इस्तेमाल को रोकने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, भारत सरकार ने 13 मई 2026 के नोटिफिकेशन नंबर जी.एस.ए. 377(ई) के ज़रिए 'प्रीगैब्लिन' को ड्रग्स रूल्स, 1945 के शेड्यूल एच1 में शामिल किया है। यह नियम 12 नवंबर, 2026 से लागू होगा। इससे पहले, प्रीगैब्लिन को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 या ड्रग्स रूल्स, 1945 के किसी भी शेड्यूल में शामिल नहीं किया गया था। पंजाब सरकार ने इसके गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए रेगुलेटरी दखल की मांग करते हुए कई बार भारत सरकार के सामने अलग-अलग लेटर के ज़रिए यह मुद्दा उठाया था। पंजाब सरकार ने ई-फार्मेसी के ज़रिए ऑनलाइन दवाओं की बिक्री को कंट्रोल करने वाले नियमों की कमी के बारे में भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के सामने चिंता जताई है। राज्य सरकार के मुताबिक, नशे के तौर पर इस्तेमाल की जा सकने वाली दवाएं आसानी से ऑनलाइन मिल जाती हैं, जिससे नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने की कोशिशों को नुकसान पहुंच रहा है। पंजाब सरकार ने राज्य में बिक्री के लिए आठ तरह के ड्रग फॉर्मूलेशन के स्टॉक पर बैन लगा दिया है। हालांकि, ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए कोई सही रेगुलेटरी फ्रेमवर्क न होने से अभी भी कानून को असरदार तरीके से लागू करने में रुकावट आ रही है।

भगवंत मान सरकार ने दवाओं की आसमान छूती कीमतों और अलग-अलग कंपनियों की बनाई दवाओं, जिनमें उन दवाइयों की कीमतों में अंतर का मुद्दा भी उठाया है, जिनमें एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट या सॉल्ट एक जैसे होते हैं। सरकार का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया दखल और निर्देशों से पहले, केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया था। पंजाब सरकार ने जनता के हित में आगे काम करने और पब्लिक हेल्थ से जुड़े मुद्दों को हल करने और पूरे राज्य में ड्रग कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

परविंदर सिंह झोटा की हत्या ने पंजाब सरकार की खोली पोल : फतेह जंग सिंह बाजवा

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। भाजपा नेता फतेह जंग सिंह बाजवा ने परविंदर सिंह उर्फ झोटा की हत्या को लेकर पंजाब की भगवंत मान सरकार और पुलिस पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि नशे के कारोबार पर रोक लगाने में राज्य सरकार की विफलता के कारण ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। झोटा की हत्या ने पंजाब में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इस घटना के बाद सरकार के खिलाफ जनता में भारी गुस्सा है। इसके साथ ही, बाजवा ने जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने के केंद्र सरकार के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि लोगों को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार मिलना चाहिए और सरकार को इसके लिए वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने पर विचार करना चाहिए। परविंदर सिंह उर्फ झोटा की हत्या के विरोध में बुलाए गए पंजाब बंद पर बाजवा ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ी जिम्मेदारी राज्य सरकार और पुलिस की बनती है। उन्होंने दावा किया कि नशीले पदार्थ बेचने वालों के बारे में पुलिस को जानकारी रहती है और झोटा ने भी घटना से पहले तरनतारन के डीएसपी को पूरे मामले की जानकारी दी थी। पुलिस अधिकारी ने मौके पर पहुंचने की बात कही थी। इसके बाद जब झोटा की केमिस्ट शॉप के संचालक के साथ बहस शुरू हुई, तो उन्होंने दोबारा डीएसपी को फोन कर मौके पर आने के लिए कहा। इसी दौरान दुकानदार ने रिवॉल्वर निकालकर गोली चला दी, जिससे झोटा की मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि पुलिस की समय पर कार्रवाई नहीं होने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने घर तोड़े जाने और दुकान जलाए जाने की घटनाओं का भी उल्लेख किया। बाजवा ने कहा कि लोगों का गुस्सा सरकार की विफलता को दर्शाता है, हालांकि गुस्से में कानून हाथ में लेना भी उचित नहीं है। झोटा अपने इलाके में नशे के खिलाफ खुलकर आवाज उठाते थे। उनकी हत्या से पंजाब में यह चिंता पैदा हुई है कि नशा तस्करों के खिलाफ बोलने वाले लोगों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए, जो नशे के खिलाफ आवाज उठाते हैं। झोटा की मौत पूरे पंजाब के लिए चिंता का विषय है। पंजाब बंद के आह्वान को विभिन्न राजनीतिक दलों और लोगों का समर्थन मिला तथा झोटा के परिवार के साथ कई पार्टियां खड़ी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान की बैठक को लेकर बाजवा ने कहा कि यह बैठक पंजाब में जनता के गुस्से को देखते हुए बुलाई गई है। आम आदमी पार्टी की सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। पंजाब की जनता ऐसी सरकार चाहती है जो कानून-व्यवस्था संभालने और नशे की समस्या खत्म करने के लिए दृढ़ता से काम करे। उन्होंने भाजपा का समर्थन करते हुए जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने और नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई का उल्लेख किया।

भाजपा नेता ने दावा किया कि पंजाब में शांति और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भाजपा प्रभावी भूमिका निभा सकती है। केंद्र सरकार के जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने के फैसले पर बाजवा ने सहमति जताई। उन्होंने दावा किया कि पिछले विरोध प्रदर्शनों के दौरान कुछ संदिग्ध तत्वों की गतिविधियों को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएं सामने आई थीं। पुलिस ने ऐसे एक मॉड्यूल के लोगों को पकड़ा था, जिनके जंतर-मंतर पहुंचकर गड़बड़ी करने की आशंका थी। बाजवा ने कहा कि केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि किसी भी प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रहे और लोगों को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने सुझाव दिया कि बड़े प्रदर्शनों के लिए रामलीला मैदान या किसी अन्य उपयुक्त स्थान की पहचान की जा सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विरोध प्रदर्शन करना लोगों का अधिकार है, जबकि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर संतुलित फैसला लिया जाना चाहिए।

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक - रीतू रानी। संस्थापक (फाउंडर) एवं स्थानीय संपादक (पंजाब) - हेमन्त मित्तल। चेयरमैन- श्रवण कुमार खर्रौटा । मैनेजिंग डायरेक्टर - धीरज महाजन , क्राइम आवाज इंडिया के लिए उन्हीं के द्वारा डेली आवाज भारती, बी-4/935, बैक साइड शिव मठ, राधा स्वामी स्ट्रीट बरनाला से प्रकाशित। सेनरा प्रिंटिंग प्रेस, भुटाना मोर, नजदीक ओल्ड पुलिस चौंकी, जी. टी रोड, नीलोखेरी, करनाल, हरियाणा - 132117 से मुद्रित। दूरभाष- प्रेस कार्यालय - 01762-505507 E-mail: dailyawazbharti@gmail.com, रजि. नं पीबीएचआईएन/26/ए2687 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा उनसे उत्पन्न समस्त विवाद बरनाला न्यायालय के अधीन होंगे।

CMYK

page 6_Layout 1 15-10-2026 17:03 Page 1

डीआईएफएफ में होगी कीर्ति कुल्हारी की फिल्म 'किनारे' की स्क्रीनिंग, बोलीं-यह परिवार, रिश्तों और अनकहे राजों की कहानी

अभिनेत्री और प्रोड्यूसर कीर्ति कुल्हारी अपनी आने वाली फिल्म किनारे को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसकी स्क्रीनिंग धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (डीआईएफएफ) में होगी। उन्होंने इस फिल्म को बतौर प्रोड्यूसर अपना पहला बच्चा बताया और कहा कि कहानी की सादगी, दिल को छू लेने वाला अंदाज और छोटी-छोटी बातों को खूबसूरती से दिखाने के तरीके ने उन्हें फिल्म बनाने के लिए प्रेरित किया। कीर्ति कुल्हारी ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, किनारे बतौर प्रोड्यूसर मेरा पहला बच्चा है और यह हमेशा मेरे लिए खास रहेगी। इसकी कहानी मेरे दिल को छू गई। यह एक साधारण, दिल को छू लेने वाली और बारीकियों के साथ कही गई फिल्म है। मुझे ये सारी खूबियां ईरानी फिल्मों में देखने को मिलती हैं, जिन्हें मैं हमेशा से पसंद करती रही हूं। इसलिए जब मेरे पास ऐसी कहानी आई, तो मैंने तय कर लिया कि मैं इसे जरूर बनाऊंगी। उन्होंने कहा, मैं इस फिल्म को स्वतंत्र रूप से बनाना चाहती थीं, ताकि इसे उसी तरह पर्दे पर उतार सकें, जैसा मैंने और मेरी टीम ने मिलकर सोचा था। फिल्म से जुड़े सभी लोगों ने इसकी कहानी पर भरोसा किया और सिनेमा के प्रति अपने प्यार की वजह से इसका हिस्सा बने। मैं इस बात से खुश हूं कि पूरी टीम ने मेरा साथ दिया और मुझे किनारे जैसी फिल्म दर्शकों तक पहुंचाने का मौका मिला। फिल्म में कीर्ति



के साथ काम कर रहे अभिनेता राजीव सिद्धार्थ ने भी इसकी कहानी की तारीफ की। उन्होंने कहा, हर अभिनेता ऐसी स्क्रिप्ट की तलाश में रहता है, जिसमें सिर्फ लिखे गए शब्द ही मायने न रखें, बल्कि उन शब्दों के बीच छिपी भावनाओं को समझने और उन्हें पर्दे पर उतारने का मौका भी मिले। किनारे में मुझे एक अभिनेता के तौर पर ऐसा अनुभव मिला। राजीव ने कहा, फिल्म की कहानी का विषय ऐसा है, जिससे हर कोई जुड़ाव महसूस कर सकता है। मुझे उम्मीद है कि फिल्म देखने वाले दर्शक इससे प्रभावित होंगे और कहानी उनके भीतर कुछ बदलाव भी लाएगी। कीर्ति कुल्हारी की पहली फीचर फिल्म प्रोडक्शन किनारे की कहानी दिल्ली के पास बसे एक गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में कीर्ति अमीना का किरदार निभा रही हैं, जो अकेली रहती हैं और अपना ज्यादातर समय बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल और घर संभालने में बिताती हैं। उनकी जिंदगी में तब बदलाव आता है, जब 15 साल बाद उनका कजिन भाई आजम अचानक उनसे मिलने पहुंचता है। उसकी वापसी से परिवार के अतीत से जुड़े ऐसे राज सामने आने लगते हैं, जिनकी वजह से कभी परिवार के रिश्तों में दरार आ गई थी। फिल्म की कहानी और निर्देशन कादरी ब्रदर्स यानी अकबर कादरी और आजम कादरी ने किया है। कीर्ति ने अपने प्रोडक्शन बैनर किंत्सुकुरोई फिल्म्स के तहत इस फिल्म को बनाया है। वहीं अभिषेक कोका और मानसी गुप्ते ने को-प्रोड्यूस किया है।

28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने के नोटिस को चुनौती देंगे इमरान खान, बॉम्बे हाईकोर्ट जाएंगे अभिनेता

बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान को 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश देने वाले नोटिस को लेकर अब नया अपडेट सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, अभिनेता इस नोटिस को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती देने पर विचार कर रहे हैं। उन्हें यह नोटिस फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) की ओर से जारी किया गया है। नोटिस में फॉरेनर्स एक्ट के उल्लंघन का हवाला देते हुए इमरान को 28 अक्टूबर तक देश छोड़ने का निर्देश दिया गया है। अब अभिनेता इस कार्रवाई के खिलाफ कानूनी रास्ता अपनाने की तैयारी में हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इमरान खान बॉम्बे हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल करने पर विचार कर रहे हैं। इस मामले में उन्होंने एमजेडएम लीगल एलएलपी को अपना कानूनी पक्ष रखने की जिम्मेदारी सौंपी है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि याचिका कब दाखिल की जाएगी। एमजेडएम लीगल एलएलपी के मैनेजिंग पार्टनर जुल्फिकार मेमन से जब इस मामले पर संपर्क किया गया, तो उन्होंने फिलहाल



टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। ऐसे में अभी अभिनेता की कानूनी टीम की ओर से इस मामले पर कोई विस्तृत बयान सामने नहीं आया है। बता दें कि इमरान खान से जुड़ा यह मामला 10 अक्टूबर को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में हुए एक विरोध प्रदर्शन के बाद चर्चा में आया था। %कॉकरोच जनता पार्टी% (सीजेपी) द्वारा इस प्रदर्शन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जा रही थी। इमरान खान भी इसमें शामिल हुए थे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने अभिनेता समेत कई लोगों को हिरासत में लिया था लेकिन बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया था। इस घटना के बाद इमरान की नागरिकता और भारत में राजनीतिक प्रदर्शन में शामिल होने को लेकर सवाल उठे। जानकारी के मुताबिक, इमरान खान भारतीय नागरिक नहीं हैं। उनके पास अमेरिकी नागरिकता और अमेरिकी पासपोर्ट है। साथ ही, उनके पास भारत का ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड भी है। इसी वजह से उनके प्रदर्शन में शामिल होने को लेकर कानूनी सवाल उठाए गए। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने भी शिकायत की थी। उन्होंने पुलिस और संबंधित अधिकारियों से यह जांच करने की मांग की थी कि क्या अमेरिकी नागरिक होने के बावजूद इमरान खान को भारत में इस तरह के राजनीतिक प्रदर्शन में शामिल होने की अनुमति है। सोमैया ने अभिनेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय और इमिग्रेशन अधिकारियों को भी पत्र लिखा था। उन्होंने इमरान के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करने की मांग भी की थी।

जिस हेमा मालिनी पर फिदा है पूरा बॉलीवुड, कभी उन्हें निर्देशक ने फिल्म से कर दिया था बाहर

हेमा मालिनी उन चुनिंदा अदाकाराओं में शामिल हैं, जिनकी खूबसूरती, शानदार डांस और दिलकश अदाओं ने दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया। 70 और 80 के दशक में हेमा मालिनी का जादू ऐसा था कि हर कोई उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहता था। उनकी मुस्कान और चुलबुला अंदाज लोगों को दीवाना बना देता था। क्या आप जानते हैं कि जिस हेमा मालिनी पर बाद में पूरा बॉलीवुड फिदा हो गया, उन्हें करियर की शुरुआत में एक निर्देशक ने फिल्म से बाहर कर दिया था? इतना ही नहीं, उनसे यह तक कह दिया गया था कि वह कभी अभिनेत्री नहीं बन सकतीं। हेमा मालिनी का जन्म 16 अक्टूबर 1948 को तमिलनाडु में हुआ था। उनकी मां जया चक्रवर्ती फिल्म निर्माण से जुड़ी थीं। घर में फिल्मी माहौल होने के कारण हेमा का रुझान भी फिल्मों और कला की ओर था। हालांकि, उनकी मां चाहती थीं कि वह एक बेहतरीन डांसर बनें। हेमा ने कम उम्र में ही नृत्य सीखना शुरू कर दिया था और धीरे-धीरे अपनी कला से पहचान बनाने लगीं। फिल्मों में जगह बनाना उनके लिए आसान नहीं रहा। महज 13-14 साल की उम्र में उन्हें तमिल फिल्म वेन्निरा अदाई में काम करने का मौका मिला। इस फिल्म का निर्देशन सीवी श्रीधर कर रहे थे। शुरुआत में हेमा को फिल्म के लिए चुन लिया गया और उनके कुछ शॉट्स भी शूट किए गए। उन्हें लगा कि अब उनके अभिनय करियर की शुरुआत हो जाएगी लेकिन कहानी ने अचानक दूसरा मोड़ ले लिया। कुछ दिनों की शूटिंग के बाद निर्देशक ने उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया। हेमा मालिनी ने बाद में अपनी किताब बियॉन्ड द ड्रीमगर्ल के विमोचन के दौरान इस घटना का जिक्र किया था। उनके मुताबिक, निर्देशक ने उन्हें यह कहते हुए रिजेक्ट कर दिया था कि वह बहुत दुबली-पतली हैं और अभिनेत्री बनने के लिए लायक नहीं हैं। यह बात इतनी कम उम्र में सुनना हेमा के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं था। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि आखिर कुछ दिन शूटिंग करने के बाद उन्हें अचानक क्यों हटा दिया गया। हेमा मालिनी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उस समय उन्हें एहसास भी नहीं हुआ कि वह मानसिक रूप से कितनी परेशान हो गई थीं। फिल्म से निकाले जाने के बाद वह काफी असहज महसूस करने लगी थीं। उन्हें डर था कि कहीं लोग उनका मजाक न उड़ाने लगें और उनके डांस कार्यक्रमों में आना बंद न कर दें। एक तरफ वह अपने डांस के जरिए पहचान बना रही थीं, तो दूसरी तरफ फिल्मों में मिली इस नाकामी ने उनके आत्मविश्वास को झटका दिया था। हालांकि, उन्होंने हार मानने के बजाय अपने सपने को पूरा करने की कोशिश जारी रखी। कई कोशिशों और संघर्ष के बाद साल 1968 में हेमा मालिनी को राज कपूर के साथ फिल्म सपनों का सौदागर में काम करने का मौका मिला। यह फिल्म उनके हिंदी सिनेमा करियर की अहम शुरुआत साबित हुई। फिल्म के प्रचार के दौरान उन्हें ड्रीम गर्ल के नाम से पेश किया गया। इसके बाद साल 1970 में आई फिल्म जॉनी मेरा नाम ने उनकी लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। देव आनंद के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को पसंद आई और हेमा के लिए बॉलीवुड में सफलता के दरवाजे खुलने लगे। साल 1972 में रिलीज हुई फिल्म सीता और गीता हेमा मालिनी के करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने दो जुड़वां बहनों की भूमिकाएं निभाईं, जिनका स्वभाव एक-दूसरे से बिल्कुल अलग था। अपने शानदार अभिनय और कॉमिक टाइमिंग से उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। इसके बाद शोले, ड्रीम गर्ल, खुशबू, मीरा और किनारा जैसी फिल्मों में उन्होंने अपनी प्रतिभा के अलग-अलग रंग दिखाए। जहां शोले की बसंती ने दर्शकों को खूब हंसाया, वहीं मीरा जैसी फिल्म में उनके गंभीर अभिनय ने साबित किया कि वह सिर्फ खूबसूरती के लिए नहीं बल्कि अपने हुनर के लिए भी जानी जाती हैं। हेमा मालिनी ने अपने लंबे करियर में करीब 150 फिल्मों में काम किया और हिंदी सिनेमा की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में अपनी जगह बनाई। अभिनय के साथ-साथ उन्होंने शास्त्रीय नृत्य, निर्देशन और राजनीति में भी अपनी पहचान बनाई। वह मथुरा से लोकसभा सांसद भी हैं।



कंटेस्टेंट के मुंह से 'साहेब' सुनकर चौंके बिग बी, जया बच्चन से कर दी ये डिमांड

अभिनेता अमिताभ बच्चन इन दिनों क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति-18 में होस्ट के तौर पर नजर आ रहे हैं। शो में अभिनेता ने मजेदार अंदाज में अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि उनका भी मन है कि उनकी पत्नी और अभिनेत्री जया बच्चन मेगास्टार को साहेब कहकर बुलाएं। दरअसल, शो में एक कंटेस्टेंट से बातचीत के दौरान अभिनेता ने सवाल किया, आप अपने साथ किसे लाई हैं आज? कंटेस्टेंट ने बताया कि उनके साथ उनकी सास और 10 साल का बेटा दक्ष आया है और कहा, वैसे तो साहेब (पति) आना चाहते थे लेकिन किसी काम की वजह से वो नहीं आ पाए। साहेब सुनकर मेगास्टार को जिज्ञासा हुई और उन्होंने पूछा, साहेब कौन हैं? कंटेस्टेंट ने बताया कि वह अपने पति राहुल को प्यार से साहेब कहकर बुलाती हैं, तो मेगास्टार ने हंसते हुए कहा, आप उनको साहेब बुलाती हैं? इस बात पर रिएक्ट करते हुए मेगास्टार ने कहा कि वह कंटेस्टेंट से प्रेरणा लेंगे और अपनी पत्नी जया बच्चन से भी कहेंगे कि वह उन्हें इसी तरह बुलाया करें। आज ही रात घर जाकर मैं जया जी से कहने वाला हूं कि आप भी हमको साहेब बुलाया कीजिए, हमको बहुत अच्छा लगेगा। बता दें कि अमिताभ बच्चन और



जया बच्चन भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित और लंबे समय तक चलने वाली जोड़ियों में से एक हैं। दोनों पहली बार साल 1970 में पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में मिले थे। इसके बाद वे फिल्म गुड्डी के सेट पर दोबारा मिले। फिल्म जंजीर के दौरान एक-दूसरे के करीब आए। दोनों ने तय किया कि अगर जंजीर हिट हुई, तो वे साथ में लंदन घूमने जाएंगे। जब अमिताभ ने यह बात अपने पिता डॉ. हरिवंश राय बच्चन को बताई, तो उन्होंने कहा कि यदि जया साथ जा रही हैं, तो वे पहले शादी करें। 3 जून 1973 को दोनों ने बेहद सादगी और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में शादी कर ली और इसके तुरंत बाद लंदन के लिए रवाना हो गए। शादी के बाद जया बच्चन ने अपने परिवार पर ध्यान देने के लिए फिल्मों से दूरी बनानी शुरू की जबकि अमिताभ बच्चन भारतीय सिनेमा के एंग्री यंग मैन और महानायक बने।

यामी गौतम धर फिल्म 'नई नवेली' की रिलीज़ से पहले आज पहुंचेगी जयपुर करेंगी फिल्म का प्रमोशन



यामी गौतम धर स्टारर फिल्म %नई नवेली% की ग्रैंड रिलीज से पहले आज लीड एक्ट्रेस जयपुर का दौरा करने वाली हैं। एक्ट्रेस अपनी फिल्म के शानदार प्रमोशन के सिलसिले को खूबसूरती से आगे बढ़ाने हुए राज मंदिर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। हाल ही में यामी ने इस विश्वास पर अपना भरोसा दिखाते हुए कि हर नए सफर की शुरुआत भगवान राम के नाम से होती है, अयोध्या में भगवान राम का आशीर्वाद लिया था, जिसके बाद उनका यह दौरा भी बेहद खास होने वाला है। जयपुर में फिल्म के लिए अपनी सच्ची डेडीकेशन को दिखाते हुए एक्ट्रेस अपना दौरा करने वाली हैं। अपनी शानदार स्क्रिप्ट चॉइसेज और स्क्रीन पर बड़े सहज अंदाज में मौजूदगी दिखाने के साथ, यामी एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर नई कहानी के साथ दर्शकों का दिल जीतने और उनके लिए कुछ बेहद अलग पेश करने के लिए तैयार हैं। फिल्म में यामी का किरदार उनके द्वारा निभाए जाने वाले सभी किरदारों से बेहद अलग है और नई दुनिया में बुना गया है। बता दें कि नई नवेली इंडिया की अपनी फैंटेसी फैमिली एंटरटेनर है, जिसमें भारतीय परिवारों में देखी जाने वाली फैंटेसी, ह्यूमर, एक्शन और अटकलों की झलक देखने मिलती है। फिल्म को बालाजी मोहन ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अङ्किनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जबकि, इसे आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। नई नवेली का म्यूजिक जी. वी. प्रकाश कुमार ने दिया है। यह फिल्म इस दशहरा, 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

CMYK

page 7_Layout 1 15-10-2026 16:33 Page 1

पत्रकारिता में तथ्यों और अटकलों के बीच अंतर जरूरी, पीआईबी ने प्रेस काउंसिल के दिशा-निर्देशों पर दिया जोर

डेली आवाज भारती

नई दिल्ली । मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) विवाद के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शनों से संबंधित कथित भ्रामक सूचनाओं के प्रसार के बीच प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने गुरुवार को पत्रकारिता के लिए प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) के दिशा-निर्देशों का समर्थन किया। पीआईबी ने पत्रकारों से जिम्मेदारी के साथ रिपोर्टिंग करने और तथ्यों को अटकलों, अनुमानों तथा विचारों से अलग रखने की अपील की। पीआईबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷जिम्मेदार पत्रकारिता की शुरुआत तथ्यों को अटकलों, अनुमानों और विचारों से अलग करने से होती है।÷ पीआईबी ने आगे कहा कि प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के 'पत्रकारिता आचरण के मानदंड, 2022' के अनुसार, पत्रकारों को तथ्यों की सटीकता बनाए रखनी चाहिए, संपादकीय जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि व्यंग्य तथा टिप्पणी मानहानि की सीमा पार न करें।

ब्यूरो ने इस बात पर जोर दिया कि जिम्मेदार रिपोर्टिंग और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए तथ्यों, अनुमानों, अटकलों और विचारों के बीच स्पष्ट अंतर करना आवश्यक है। पत्रकारों को



अटकलों, अनुमानों या व्यक्तिगत विचारों को तथ्य के रूप में प्रस्तुत करने से बचना चाहिए। पीआईबी ने कहा कि अच्छे हास्य के उद्देश्य से बनाए गए कार्टून और व्यंग्यचित्र एक अलग श्रेणी में आते हैं और उनके प्रति अपेक्षाकृत उदार दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है। हालांकि, ब्यूरो ने आगाह किया कि व्यंग्य लेखन का एक स्वीकार्य रूप है, लेकिन इसका इस्तेमाल मानहानिकारक बयानों को छिपाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। पीआईबी ने यह भी कहा कि 'अक्षम' या 'नपुंसक' जैसे शब्दों को राजनीतिक टिप्पणी के संदर्भ में परखा जाना चाहिए, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि उनका इस्तेमाल आपत्तिजनक है या नहीं। इस बीच, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया लगातार प्रेस से रिपोर्टिंग में संयम और सावधानी बरतने की अपील करती रही है। परिषद ने अपनी वेबसाइट पर जारी एक टिप्पणी में कहा कि ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास होना चाहिए, जिसमें प्रेस आत्म-नियमन के माध्यम से अपनी स्वतंत्रता के इस्तेमाल और अपनी जिम्मेदारी के बीच उचित संतुलन सुनिश्चित करे। परिषद के मुताबिक, यही उसका मूल उद्देश्य है।

प्रेस काउंसिल अधिनियम, 1978 की धारा 13(बी) के तहत परिषद को समाचार पत्रों, समाचार एजेंसियों और पत्रकारों के लिए रिपोर्टिंग के उच्च मानक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आचार संहिता तैयार करने का दायित्व सौंपा गया है। पीसीआई के अनुसार, अपने फैसलों और अन्य घोषणाओं के आधार पर परिषद ने समय के साथ ऐसे सिद्धांत विकसित किए हैं, जिन्हें पत्रकारों से अपने पेशेवर कर्तव्यों का निर्वहन करते समय विवेक और आवश्यक परिस्थितियों के अनुरूप अपनाने की अपेक्षा की जाती है। इन सिद्धांतों का उद्देश्य पत्रकारों को अपने आचरण को स्वयं नियंत्रित करने के लिए मार्गदर्शन देना है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) इकाई ने कथित तौर पर झूठे विमर्श फैलाने और देश के माहौल को बिगाड़ने का प्रयास करने वाले सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ चार से अधिक एफआईआर दर्ज की थीं। यह घटनाक्रम एसआईआर विवाद और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी विरोध-प्रदर्शनों से संबंधित कथित भ्रामक सूचनाओं के प्रसार के बीच सामने आया है।

राहुल गांधी अराजकता के प्रतीक, सुप्रीम कोर्ट परिसर में भीड़तंत्र नहीं चलेगा: भाजपा

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने गुरुवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को अराजक, अपरिपक्व और गैर-जिम्मेदार नेता बताते हुए कहा कि प्रदर्शन करना मौलिक अधिकार है, लेकिन इस अधिकार की भी अपनी सीमाएं हैं।



उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट न्याय का मंदिर है और उसके परिसर में भीड़तंत्र नहीं चल सकता। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गौरव भाटिया ने कहा कि आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस का विषय भारतीय लोकतंत्र में अराजकता के प्रतीक बन चुके राहुल गांधी हैं। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखेंगे। भाटिया के मुताबिक, इस मामले से जुड़े कई मुद्दों पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हुई, जिसमें वह वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में पेश हुए थे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि देश के लोग राहुल गांधी को किस नजरिए से देखते हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ऐसे व्यक्ति के हाथ में नेता प्रतिपक्ष का पद है, जो अपरिपक्व, गैर-जिम्मेदार और संविधान की समझ से अनभिज्ञ है।

नोएडा में तेज आंधी से निर्माणाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिरी, 14 गाड़ियां क्षतिग्रस्त; बड़ा हादसा टला

डेली आवाज भारती



नोएडा । दिल्ली-एनसीआर में मौसम के बदलते मिजाज और तेज आंधी का असर नोएडा में भी देखने को मिला। गुरुवार, 15 अक्टूबर को नोएडा के सेक्टर-62 स्थित आइथम हाइट्स में तेज आंधी के कारण निर्माणाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिर गई। शटरिंग पड़ोस में स्थित ग्राफ सिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों के ऊपर जा गिरी। इस घटना में कुल 14 गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। गनीमत रही कि हादसे में किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई और कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 15 अक्टूबर को थाना सेक्टर-58 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-62 स्थित आइथम हाइट्स कंपनी में निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान क्षेत्र में तेज आंधी आई, जिसके चलते निर्माणाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिर गई। शटरिंग सीधे पड़ोस में स्थित ग्राफ सिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों पर जा गिरी। अचानक हुई इस घटना से पार्किंग में खड़ी गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। शटरिंग गिरने के कारण पार्किंग में खड़ी कुल 14 गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। इनमें गाड़ियों के बाहरी हिस्सों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। निर्माणाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिरने की घटना से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां पड़ोसी कंपनी की पार्किंग में कई वाहन खड़े थे। शटरिंग के गाड़ियों पर गिरने से बड़ा नुकसान हो सकता था, लेकिन राहत की बात यह रही कि घटना के समय कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया।

पुलिस के अनुसार, इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। घटना थाना सेक्टर-58 क्षेत्र की होने के कारण स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और मामले में अग्रिम आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस की ओर से घटना की वजह तेज आंधी को बताया गया है। शटरिंग गिरने से प्रभावित वाहनों और घटनास्थल की स्थिति के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इस हादसे में 14 गाड़ियों के क्षतिग्रस्त होने की पुष्टि हुई है। किसी व्यक्ति के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। पुलिस मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

मतदाता साक्षरता क्लब के तहत छात्राओं को निर्भीक होकर वोट डालने की दिलाई शपथ

डेली आवाज भारती



बहरोड़। बाबा श्री नारायण दास अभिनव पीजी महिला महाविद्यालय, बहरोड़ में चुनावी साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ELC) के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सत्र में छात्राओं को लोकतंत्र में प्रत्येक वोट के महत्व और मतदान प्रक्रिया की तकनीकी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं ईएलसी प्रभारी नवीन कुमार यादव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए मताधिकार की संवैधानिक शक्ति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नए मतदाता पहचान पत्र (Voter ID) बनवाने की प्रक्रिया तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी के महत्व को समझाया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणजीत सिंह शेखावत ने छात्राओं को बिना किसी प्रलोभन या दबाव के निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जागरूक युवा शक्ति ही एक मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला है। सत्र के अंत में सभी उपस्थित शिक्षकों एवं छात्राओं को शत-प्रतिशत और जिम्मेदार मतदान के प्रति संकल्पबद्ध रहने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय समिति के उपाध्यक्ष लोकेश कुमार मीणा, प्रो. सुनील कुमार यादव, डॉ. संदीप, डॉ. अजीत, मनीष कुमार, अलका शर्मा, मंतोष यादव, सोनू कँवर, मीनाक्षी यादव, भोली यादव, कविता यादव, खुशी, सपना सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

भारतीय शेयर बाजार बड़ी तेजी के साथ बंद; सेंसेक्स 1,533.72 अंक बढ़ा

डेली आवाज भारती



मुंबई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में बड़ी तेजी के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,533.72 अंक या 2.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,315.61 और निफ्टी 374.65 अंक या 1.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,997.35 पर था। सत्र के दौरान बाजार की तेजी को सहारा निजी बैंक और आईटी शेयरों ने दिया। सूचकांकों में निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.89 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज 1.83 प्रतिशत और निफ्टी आईटी 1.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी ऑयलएंडगैस, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा और निफ्टी मेटल हरे निशान में थे। हालांकि, सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स लूजर्स थे। सूचकांकों में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इटरनल, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, इंडिगो, आईटीसी, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट गेनर्स थे। केवल बीईएल, ट्रेंट और एचयूएल ही लूजर्स थे। लार्जकैप के उलट मिडकैप और स्मॉलकैप में बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 211.85 अंक या 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,197.25 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 253.10 अंक या 1.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,131.70 पर था।

जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों में तेजी की वजह एआई के अत्यधिक मूल्यांकन और अमेरिका में बढ़ती मुद्रास्फीति को लेकर चिंताओं के चलते टेक्नोलॉजी स्टॉक्स केंद्रित वैश्विक बाजारों में बिकवाली थी, जिससे घरेलू बाजार का आकर्षण बढ़ा। वहीं, बॉन्ड यील्ड में सुधार, रुपए की स्थिरता और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भी बाजार के सेंटिमेंट को समर्थन दिया, जबकि इक्विटी टैक्स पर सरकार के पुनर्विचार की संभावना ने सकारात्मक माहौल तैयार करने में मदद की है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, छोटे और मध्यम आकार के शेयरों में कमजोरी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में बिकवाली से संकेत मिलता है कि इस उछाल में व्यापक भागीदारी की कमी है। इस कारण निकट भविष्य में स्थिरता दूसरी तिमाही के राजस्व और मार्जिन में अपेक्षित प्रदर्शन, व्यापक बाजार भागीदारी और विदेशी निवेश की वापसी पर निर्भर करेगी, जबकि भू-राजनीतिक और वैश्विक मुद्रास्फीति के जोखिमों के बीच तेल और मुद्रा में टिकाऊ स्थिरता महत्वपूर्ण बनी हुई है।

राजस्थान RERA ने फ्लैट खरीदारों को दी अंतरिम राहत

एसबीआई को जबरन वसूली से रोका, शिवराज रेजिडेंसी परियोजना का मामला

डेली आवाज भारती



जयपुर। जयपुर की रियल एस्टेट कंपनी शिवशक्ति रियलहोम प्राइवेट लिमिटेड की शिवराज रेजिडेंसी परियोजना में फ्लैट खरीदने वाले दो आवंटियों के नाम पर स्वीकृत ` 72.48 लाख के आवास ऋण का भुगतान सीधे बिल्डर के खाते में होने के बावजूद खरीदारों से बैंक वसूली का मामला सामने आया है। बता दें कि राजस्थान रेरा हाल ही में इस कंपनी के डायरेक्टर, प्रमोटर संजीव सांघी, राजीव सांघी और ओम सांघी को डिफॉल्टर घोषित करके इनके फोटो और नाम सार्वजनिक करने के आदेश दे चुका है, ताकि और लोग इनकी धोखाधड़ी के शिकार ना हों।

राजस्थान रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (RERA) ने इस मामले में 30 जून 2026 को महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित करते हुए भारतीय स्टेट बैंक (SBI) को फ्लैट खरीदारों के विरुद्ध जबरन ऋण-वसूली की कार्रवाई करने से रोक दिया। इस मामले की अगली सुनवाई अब दिसंबर, 2026 में होगी। प्रकरण बृजेश कुमार अग्रवाल बनाम शिवशक्ति रियलहोम प्राइवेट लिमिटेड, शिकायत संख्या ~~ऋह-ऋऋऋ ष्ट~~-N-2026-9646 से संबंधित है। शिकायतकर्ताओं ने शिवराज रेजिडेंसी परियोजना में कुल 98,44,500 मूल्य के दो फ्लैट खरीदे थे। इसके लिए स्वच्छ से आवास ऋण लिया गया, जिसमें से ` 72,48,564 की राशि सीधे प्रमोटर कंपनी शिवशक्ति रियलहोम के खाते में जमा की गई। शिकायतकर्ताओं के अनुसार बैंक, बिल्डर और आवंटियों के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते की शर्त संख्या 4 में यह व्यवस्था थी कि यदि परियोजना बंद हो जाती है तो बैंक की राशि चुकाने का उत्तरदायित्व प्रमोटर का होगा। शिकायतकर्ताओं का कहना था कि प्रारंभ में बिल्डर ने ऋण पर ब्याज का भुगतान किया, लेकिन बाद में भुगतान करना बंद कर दिया। इसके बाद SBI ने ऋण-वसूली के लिए ऋण वसूली अधिकरण (DRT), जयपुर में O/670/2021 प्रस्तुत किया, जिसमें बिल्डर के साथ फ्लैट खरीदारों को भी पक्षकार बनाया गया। इससे आवंटियों के सामने ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई कि आवास ऋण की रकम बिल्डर को प्राप्त होने और बिक्री विलेख निष्पादित नहीं होने के बावजूद उन्हें बैंक की वसूली कार्यवाही का सामना करना पड़ा। बैंक के अपने कथनों को भी RERA ने माना महत्वपूर्ण RERA ने उपलब्ध रिकॉर्ड पर विचार करते हुए पाया कि SBI ने स्वयं DRT में यह कथन प्रस्तुत किया था कि आवास ऋण की रकम प्रमोटर को दी गई थी, लेकिन फ्लैटों की सेल डीड निष्पादित नहीं हुई थी। त्रिपक्षीय समझौते के अंतर्गत प्रमोटर की बैंक देनदारी चुकाने की जिम्मेदारी का मुद्दा भी रिकॉर्ड पर था।

RERA का आदेश:

खरीदारों के खिलाफ जबरन वसूली नहीं 30 जून 2026 के अंतरिम आदेश में प्राधिकरण ने दोनों फ्लैटों से संबंधित शिकायतकर्ताओं के हितों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने वाली कार्रवाई पर रोक लगाई तथा स्वच्छ को बिल्डर के खाते में वितरित आवास ऋण की वसूली के लिए खरीदारों के विरुद्ध कठोर या जबरन कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया। निवेशकों के लिए चेतावनी- फ्लैट का आवंटन, बैंक ऋण और रजिस्ट्री की जाँच आवश्यक यह मामला रियल एस्टेट निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण सवाल खड़ा करता है कि यदि किसी खरीदार के नाम पर बैंक ऋण स्वीकृत होकर सीधे बिल्डर को भुगतान कर दिया जाता है, लेकिन बाद में बिक्री विलेख निष्पादित नहीं होता अथवा परियोजना संबंधी विवाद उत्पन्न हो जाता है, तो खरीदार के वित्तीय हित किस प्रकार प्रभावित हो सकते हैं।

कनॉट प्लेस में प्रदर्शन से ट्रैफिक और कारोबार प्रभावित होने की आशंका, दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा मामला

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट गुरुवार को एक याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। इस याचिका में %कॉकरोच जनता पार्टी% (सीजेपी) को 16 अक्टूबर को कनॉट प्लेस (सीपी) के सेंट्रल पार्क में प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन करने से रोकने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि इस प्रदर्शन से आम जनजीवन प्रभावित हो सकता है और स्थानीय व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। वरिष्ठ वकील सचिन पुरी ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (एसीजे) नितिन डब्ल्यू. साम्ब्रे के समक्ष यह मामला रखा। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के मुख्य इलाके में होने वाले इस प्रस्तावित जमावड़े को रोकने के लिए तत्काल अंतरिम हस्तक्षेप की मांग की। पुरी ने बताया कि 16 अक्टूबर को सेंट्रल पार्क में विरोध-प्रदर्शन होने वाला है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन के कारण पूरे कनॉट प्लेस इलाके में भारी ट्रैफिक जाम लग सकता है और व्यावसायिक गतिविधियां बाधित हो सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रदर्शन दशहरा वीकेंड के दौरान हो रहा है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है।

वरिष्ठ वकील ने तर्क दिया कि इस विरोध-प्रदर्शन के चलते पूरा कनॉट प्लेस इलाका बंद हो सकता है, जिससे लोगों की आवाजाही प्रभावित होगी और वहां के दुकानदारों व अन्य कारोबारियों को नुकसान उठाना पड़ेगा। इन दलीलों पर गौर करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले से ही इससे जुड़े मामलों की सुनवाई कर रहा है। यह याचिका कनॉट प्लेस के पालिका बाजार में सड़क विक्रेता का काम करने वाले अनिल कुमार गुप्ता ने दायर की है। उन्होंने मांग की है कि सीजेपी को सेंट्रल पार्क या किसी ऐसी जगह पर कोई भी आंदोलन, प्रदर्शन, मार्च या जमावड़ा करने से रोका जाए, जिसे विरोध-प्रदर्शन के लिए तय नहीं किया गया है। याचिकाकर्ता ने सेंट्रल दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों पर व्यापक रोक लगाने की भी मांग की है, ताकि जनजीवन और व्यावसायिक गतिविधियों में कोई बाधा न आए। यह प्रस्तावित प्रदर्शन तब हो रहा है, जब सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने लोगों से शुक्रवार शाम 5 बजे सेंट्रल पार्क में इकट्ठा होने की अपील की है। वे पार्टी के सह-संयोजकों सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी के विरोध में वहां राष्ट्रीय ध्वज फहराने की योजना बना रहे हैं।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दुघेड़ा में मनाया गया ग्लोबल हैंडवॉशिंग डे

डेली आवाज भारती



बहरोड़। ममता हेल्थ इंस्टिट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड संस्था द्वारा ग्रीनलैम इंडस्ट्रीज के सहयोग से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दुघेड़ा में ग्लोबल हैंडवॉशिंग डे के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य सज्जन सिंह यादव एवं अन्य शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता और नियमित रूप से हाथ धोने के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान परियोजना प्रबंधक योगेश त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि भोजन करने से पहले, शौचालय का उपयोग करने के बाद तथा गंदगी के संपर्क में आने पर साबुन से अच्छी तरह हाथ धोना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विस्तार से बताया कि हाथों की उचित सफाई नहीं करने से दस्त, हैजा, टाइफाइड, पेट के संक्रमण तथा अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को हाथ धोने की सही विधि अपनाने और अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को हाथ धोने की सही प्रक्रिया समझाने के लिए हैंडवॉशिंग डेमो आयोजित किया गया, जिसमें साबुन और पानी से हाथों को अच्छी तरह साफ करने के विभिन्न चरणों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बच्चों की सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित कर प्रोत्साहित किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्वच्छता की आदतों को विकसित करना, हाथ धोने के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित रूप से हाथ धोने का संदेश देना था।

राहुल गांधी नोट कर लें, सिर्फ नेहरू ही नहीं, मसुरियादीन पासी भी गए थे जेल : सीएम योगी

डेली आवाज भारती



प्रयागराज । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को तेलियरगंज चौराहे पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, ब्रिटिश जरायम पेशा कानून को समाप्त कराने वाले संविधान सभा के सदस्य एवं पूर्व सांसद महाशय मसुरियादीन पासी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी नोट कर लें कि देश की आजादी के लिए केवल नेहरू जी ही नहीं, बल्कि मसुरियादीन जी भी जेल गए थे।

इनकी आयु 66-67 वर्ष रही, जिसमें 9 वर्ष (1932-1944) वह आजादी की अलख जगाने के लिए जेल में रहे। रिहा होने पर भी वह जन-जागरण करते रहे थे। सीएम योगी ने महापौर से प्रस्ताव मांगा और कहा कि जहां मसुरियादीन जी की प्रतिमा लगी है, वह चौराहा उनके नाम पर बनेगा। प्रयागराज की किसी एक अच्छी संस्था का नाम भी महाशय मसुरियादीन के नाम पर किया जाएगा। वहां भी उनकी भव्य प्रतिमा लगेगी, क्योंकि महापुरुषों को सम्मान देकर ही समाज आगे बढ़ सकता है। भूत को सम्मान देकर वर्तमान संवर सकता है और वर्तमान के संवरने से ही भविष्य उज्ज्वल होगा। महाशय का सम्मान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान है, इसमें कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर 1911 को महाशय मसुरियादीन पासी का भी जन्म हुआ था। इतिहास के कालचक्र ने इन्हें विस्मृत कर दिया था, लेकिन विकास व विरासत पर विश्वास करने वाली भाजपा सरकार महापुरुषों को विस्मृत नहीं करती। हमने उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए प्रतिमा का अनावरण किया है। सीएम योगी ने बताया कि मसुरियादीन जी 1946 में यूपी विधानसभा के सदस्य बने, फिर स्वतंत्र भारत में 1952 से 1972 तक चार बार चुनकर संसद गए। 1952 में जब एक सीट पर दो सांसद चुने जाते थे तो पं. नेहरू व मसुरियादीन जी एक साथ चुनकर गए थे। उन्होंने काले कानून के खिलाफ 1952 में ही आवाज उठाई थी। 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर में मुंह की खाने के बाद अंग्रेजों ने 1871 में जरायम पेशा कानून बनाकर पासी समेत तमाम जातियों को अपमानित किया था। बाबा साहेब व मसुरियादीन जी ने उस कानून के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अंततः उसे समाप्त कर पासी, सोनकर, वंचित, दलित समाज को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़कर सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पासी समाज के शौर्य व पराक्रम की गाथा को हर कोई जानता है। महाराजा बिजली पासी ने 12वीं सदी में लखनऊ व आसपास के क्षेत्र में 12 किले बनाए थे। विदेशी आक्रांताओं से लड़ने के लिए इसे रणनीति का हिस्सा बनाया था। वीर मक्का पासी आजादी की लड़ाई लड़ते वीरगति को प्राप्त हुए तो उनकी पत्नी वीरांगना ऊदा देवी ने मोर्चा संभालते हुए अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए। अंततः उनका भी बलिदान हो गया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने लखनऊ स्थित महाराजा बिजली पासी के किले का पुनरुद्धार किया। डबल इंजन सरकार लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी के नाम पर पीएसी बटालियन गठित कर रही है। वहां भी उनकी अश्वारोही भव्य प्रतिमा लगाई जा रही है। सम्मान किसी परिवार की बपौती नहीं है। जिन्होंने दलितों, वंचितों की आवाज को आगे बढ़ाया और देश-समाज के लिए जीवन समर्पित किया, उन्हें सम्मान मिलना चाहिए।

CMYK

page 8_Layout 1 15-10-2026 21:33 Page 1

परविंदर झोटा हत्याकांड मामला :

पंजाब बंद का पूर्ण सहयोग

- परमिंदर सिंह झोटा की हत्या के विरोध में किसानों, मजदूरों और व्यापारियों ने किया बंद का समर्थन, परिवार को इंसाफ मिलने तक संघर्ष जारी रखने का ऐलान

डेली आवाज भारती

पंजाब की युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए संघर्ष कर रहे परमिंदर सिंह झोटा की मानसा में दिनदहाड़े गोलियां मारकर हत्या किए जाने के विरोध में दिए गए पंजाब बंद के आह्वान पर कस्बा सहिणा पूरी तरह बंद रहा। किसानों, मजदूरों और व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर परमिंदर सिंह झोटा के परिवार के साथ खड़े होने का संदेश दिया। इस दौरान मुख्य बस स्टैंड सहिणा में बरनाला-बाजाखाना रोड पर धरना देकर सड़क जाम किया गया और पंजाब सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया गया। धरने को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुखविंदर सिंह धालीवाल, हलका भदौड़, बीबी

बस स्टैंड पर धरना देकर सड़क जाम



मलकीत कौर सहोता, मुख्य सेवादार बाबा नगिंदर सिंह खालसा, गुरप्रीत सिंह बब्बू पंधेर जिला प्रधान भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी, गुरजंट सिंह जंटा इकाई प्रधान भारतीय किसान यूनियन कादियां, सरपंच जतिंदर सिंह खैहरा, जगसीर सिंह सीरा भारतीय किसान यूनियन एकता डकौंदा, बेअंत सिंह सरां जिला प्रधान, गुरतेज सिंह संधू ब्लॉक प्रधान कांग्रेस, बलजीत सिंह आजाद, गुरमीत दास बावा, लखवीर सिंह मठाडू ब्लॉक प्रधान वारिस पंजाब, पूर्व सरपंच अमृतपाल सिंह खालसा, राम सिंह सहिणा भारतीय किसान यूनियन एकता डकौंदा धनेर, निर्मल सिंह खालसा, दर्शन सिंह सिद्धू, रोशन लाल शर्मा, मिंटू जस्सल, दविंदर कौर, कलविंदर सिंह किंद्दा, गुरप्रीत सिंह गिल इकाई प्रधान भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां, लखवीर सिंह खालसा, मध्घर सिंह खालसा, बलदेव सिंह की माता, नरजण सिंह, सरपंच नाजम सिंह, पंचायत सदस्य हैप्पी सिंह, मलकीत सिंह जटाणा, रूप सिंह, नवी पटवारी, पूर्व सैनिक गुरनाम सिंह भोतना, सुरजीत सिंह भोला विधाता, जस्सा धीमान, जग्गा सिंह पूर्व पंच, ओंकार सिंह उप्पल, जालंधर सिंह गिल कोठे, रणजीत सिंह गिल, हरजीत सिंह खैहरा, सूबेदार मनजीत सिंह, जिमन सिंह वाला, कुलवंत सिंह चूंघां भारतीय किसान यूनियन कादियां तथा सचिव कुलदीप सिंह बुर्ज फतेहगढ़ सहित अन्य नेताओं ने अपने विचार रखे। नेताओं ने कहा कि सरकारों की गलत नीतियों के कारण पंजाब की युवा पीढ़ी नशे की चपेट में आ रही है। यह बेहद दुखद है कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए प्रयास करने वाले परमिंदर सिंह झोटा जैसे नौजवानों को भी दिनदहाड़े गोलियां मारी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार राज्य से नशा खत्म करने में विफल साबित हुई है। नेताओं ने चेतावनी दी कि जब तक परमिंदर सिंह झोटा के परिवार को इंसाफ नहीं मिलता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

परमिंदर सिंह झोटा को इंसाफ दिलाने के लिए फिरोजपुर लोक लहर ने निकाला कैंडल मार्च

- परमिंदर सिंह झोटा को इंसाफ दिलाने के लिए फिरोजपुर लोक लहर ने निकाला कैंडल मार्च

डेली आवाज भारती



फिरोजपुर, (लखविंदर सिंह पन्नू)। नशे के खिलाफ संघर्ष करने वाले परमिंदर सिंह झोटा को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर वीरवार को फिरोजपुर लोक लहर की ओर से कैंडल मार्च निकाला गया। इस दौरान मोमबत्तियां जलाकर परमिंदर सिंह झोटा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके मामले में आरोपियों को मिसाल कायम करने वाली सजा देने की मांग उठाई गई। जन संगठनों के साझा मंच %फिरोजपुर लोक लहर% की ओर से निकाला गया यह मार्च दिल्ली गेट से शुरू होकर शहीद ऊधम सिंह चौक तक पहुंचा। मार्च में शामिल लोगों ने परमिंदर सिंह झोटा के संघर्ष को याद करते हुए नशे के खिलाफ आवाज बुलंद की और उन्हें इंसाफ दिलाने की मांग की। इस मौके पर फिरोजपुर लोक लहर के संयोजक गामा सिद्धू और एडवोकेट रोहित अरोड़ा ने कहा कि परमिंदर सिंह झोटा द्वारा नशे के खिलाफ शुरू किए गए संघर्ष को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब समाज को नशे से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे और नशे के खिलाफ चल रहे जन आंदोलन को और मजबूत बनाया जाएगा। परमिंदर सिंह झोटा को श्रद्धांजलि देने के लिए निकाले गए इस कैंडल मार्च में अवतार महिमा, सरबजीत भावड़ा, नरेंद्र केसर, गुरदर्शन संधू, अशोक बहल, निर्मलजीत सिंह, दलजीत सिंह महालम, बलजीत कौर बंगड़, जसविंदर सिंह संधू, अन्नू भट्ट, गुरचरण सिंह भुल्लर, बब्बू प्रधान, साहब सिंह संधू, वरुण भट्ट, मनजीत सिंह रोमाणा, बूटा सिंह सतीए वाला, दीपक पुरी, लक्की ऑटो यूनियन और कंवरजीत सिंह संधू सहित अन्य लोग मौजूद थे।

परमिंदर झोटे के समर्थन में बड़ौदी टोल प्लाजा पर पूर्ण चक्का जाम और प्रदर्शन

डेली आवाज भारती

कूरली, (हरतेज सिंह तेजी,सनदीप) : परविंदर सिंह झोटे की नशों के खिलाफ शहादत के बाद फैले रोष के चलते आज लोक हित मिशन बीकेयू पंजाब की ओर से टोल प्लाजा बे ौली पर पूर्ण चक्का जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस संबंध में मिशन के आगुओं (नेताओं) गुरमीत सिंह शांटू, रविन्द्र सिंह बजीदपुर, भगत सिंह भगतमाजरा, हरजीत सिंह हरमन, साहिब सिंह बडाली, गुरशरण सिंह नग्गल, रविन्द्र सिंह हुसियार, बचन सिंह मुंधों, हरजिंदर सिंह मुंधों, रणजीत सिंह जीती, दर्शन सिंह खे ा और जसवीर सिंह लाला ने अपने



संबोधन में कहा कि नशे की बिक्री के लिए कई राजनेता और भ्रष्ट अधिकारी जिम्मेदार हैं। इसलिए हमें मिलकर इस को को जे से मिटाने के लिए एक जन-आंदोलन खे ा करने और उस पर पहरा देने की सख्त जरूरत है। इस अवसर पर मेजर सिंह संगतपुरा, सरबजीत सिंह कादीमाजरा, हरपाल सिंह महरौली, गुरदीप सिंह महरमपुरा, कुलवंत सिंह बूथगे , बहादुर सिंह मुंधों, सरबजीत सिंह फिरोजपुर, डोगर खान, हरबंस सिंह खे राबाद, कुलवंत सिंह संगतपुरा, गुरशरण सिंह नग्गल, बिंदा बे ौली, सरबजीत संगतपुरा, रणजीत सिंह खदरी, दर्शन सिंह कंसला, मान सिंह झिंगे ां, हरजीत सिंह रोमी, सोनी दुसारना, राम सिंह अभीपुर और अमरीक सिंह मलोआ आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नशा विरोधी नेता परमिंदर सिंह झोटे की हत्या बेहद दुखदः जत्थेदार हरबंस सिंह बलटाना

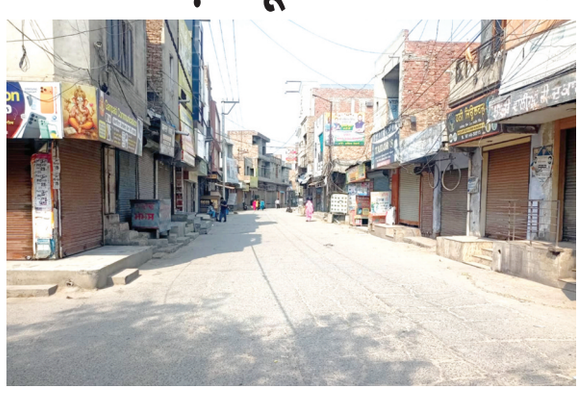


ज़ीरकपुर/तरनप्रीत सिंह गिलः ह्यूमन राइट वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष जत्थेदार हरबंस सिंह बलटाना एवं संस्था के अन्य सदस्यों ने नशों के खिलाफ सक्रिय युवा नेता परमिंदर सिंह झोटे की हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने मांग की कि इस मामले की गंभीरता से जांच करवाई जाए और आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि नशों के खिलाफ अभियान में सक्रिय रहने वाले युवा की केमिस्ट द्वारा गोलियां मारकर हत्या किया जाना बेहद चिंताजनक है। इस घटना ने राज्य की कानून-व्यवस्था और आम लोगों की जान-माल की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जत्थेदार हरबंस सिंह ने मांग की कि परमिंदर सिंह झोटे हत्या मामले की निष्पक्ष जांच करके दोषियों को कानून के अनुसार सख्त सजा दिलाई जाए। उन्होंने पीड़ित परिवार को उचित वित्तीय मुआवजा और सुरक्षा मुहैया करवाने के साथ-साथ परिवार के एक सदस्य को पक्की सरकारी नौकरी देने की भी जोरदार मांग की।

गुरुहरसहाय शहर के सभी बाज़ार पूर्ण रूप से रहे बंद

डेली आवाज भारती

गुरुहरसहाय, (अमनदीप गिरधर): कुछ दिन पहले मानसा शहर के अंदर एक मेडिकल स्टोर के मालिक द्वारा परविंदर झोटा को गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई थी। इसके रोष स्वरूप आज अलग-अलग संगठनों द्वारा पंजाब बंद का आह्वान किया गया था और बंद के आह्वान पर गुरुहरसहाय शहर के सभी बाज़ार पूर्ण रूप से बंद रहे। इस दौरान अलग-अलग जत्थेबंदियों और विभिन्न राजनीतिक पार्टियों द्वारा समर्थन देकर रोष प्रदर्शन किया गया। शहर का मेन बाज़ार, फरीदकोट रोड, श्री मुक्तसर साहिब रोड और अन्य विभिन्न बाज़ारों की दुकानें दुकानदारों द्वारा पूर्ण रूप से बंद रखी गईं और संगठनों का पूर्ण रूप से साथ दिया गया। इसके उपरांत थाना प्रभारी जतिंदर सिंह द्वारा पुलिस पार्टी के साथ फरीदकोट रोड पर स्थित लाइटों वाले चौक और शहर के अंदर गश्त की गई, तांकि कोई भी शरारती तत्व शहर का माहौल खराब ना कर सके। इसके साथ ही शहर का माहौल शांतिपूर्ण रहा। संगठनों द्वारा बंद का आह्वान सुबह से लेकर शाम 5 बजे तक दिया गया था।



शहर के विभिन्न बाज़ारों की बंद पड़ी दुकानें, रोष प्रदर्शन करते हुए संगठनों के नेता।

पंजाब बंद के समर्थन में नया गांव में शिरोमणि अकाली दल का रोष प्रदर्शन, मुख्यमंत्री का पुतला फूंका









डेली आवाज भारती

नया गांव, (हरतेज सिंह तेजी) : मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले कार्यकर्ता परमिंदर सिंह झोटा की गोली मारकर हत्या किए जाने के विरोध में पंजाब बंद के समर्थन में आज नया गांव में शिरोमणि अकाली दल के कार्यकर्ताओं ने रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री का पुतला फूंककर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग उठाई। यह रोष प्रदर्शन शिरोमणि अकाली दल के खरड़ हलका इंचार्ज सरदार रविन्द्र सिंह खेड़ा के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने नया गांव के बाजार के दुकानदारों और लोगों से पंजाब बंद का समर्थन करने तथा बाजार बंद रखने की अपील की। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद कार्यालय के पास स्थित चौक पर एकत्रित होकर पंजाब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री का पुतला जलाया। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि परमिंदर सिंह झोटा की हत्या के मामले में आरोपियों के खिलाफ जल्द से जल्द सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। इस अवसर पर शिरोमणि अकाली दल के सर्कल प्रधान नया गांव गणेश शर्मा सहित गुरु ध्यान सिंह, विनोद बिनोदिया, लाभ सिंह, संजू, अंग्रेज सिंह, इमरान खान, परमिंदर सिंह, बिमला भंडारी, संजीव मलिक, अनिल मंडल, अजीत सिंह, शंभू पासवान, कुलविंदर कौर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और इस प्रकार की घटनाओं में दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करना जरूरी है। उन्होंने मामले में शीघ्र न्याय की मांग करते हुए पंजाब सरकार से कानून-व्यवस्था को लेकर ठोस कदम उठाने की अपील की।

परविंदर सिंह झोटा गोली कांड मामला

ब्लॉक माजरी में प्रदर्शन, सड़क जाम कर जताया विरोध

शिरोमणि अकाली दल के रविंदर सिंह खेड़ा ने पंजाब बंद को दिया समर्थन

डेली आवाज भारती

ब्लॉक माजरी। पंजाब बंद के दौरान परविंदर सिंह झोटा के समर्थन में ब्लॉक माजरी में धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर अपना विरोध दर्ज कराया और परविंदर सिंह झोटा के मामले को लेकर उनके समर्थन में आवाज बुलंद की। धरने के चलते क्षेत्र में यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को आवाजाही के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ा। इस मौके पर शिरोमणि अकाली दल की ओर से रविंदर सिंह खेड़ा ने पंजाब बंद को अपना समर्थन दिया। उन्होंने परविंदर सिंह झोटा के समर्थन में आयोजित इस प्रदर्शन के प्रति एकजुटता जाहिर की। पंजाब बंद के आह्वान के तहत प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर एकत्रित होकर धरना दिया और अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान



परविंदर सिंह झोटा का मामला चर्चा का केंद्र रहा। धरने में शामिल लोगों ने उनके समर्थन में अपनी आवाज उठाई। प्रदर्शनकारियों द्वारा सड़क जाम किए जाने के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान पंजाब बंद के समर्थन में लोगों ने अपनी भागीदारी दर्ज करवाई। ब्लॉक माजरी में हुआ यह प्रदर्शन परविंदर सिंह झोटा के समर्थन में आयोजित धरनों की कड़ी के रूप में सामने आया। शिरोमणि अकाली दल के प्रतिनिधि रविंदर सिंह खेड़ा द्वारा बंद को समर्थन दिए जाने से इस प्रदर्शन को राजनीतिक समर्थन भी मिला।

पंजाब बंद के दौरान नशेड़ियों का पर्दाफाश

एक काबू, एक मौके से फरार; संदिग्ध सामान बरामद





डेली आवाज भारती

न्यू चंडीगढ़: (हरतेज सिंह तेजी) परविंदर झोटा हत्याकांड के विरोध में मानसा धरना कमेटी द्वारा 15 अक्टूबर 2026 को दिए गए %पंजाब बंद% के आह्वान का नया चंडीगढ़ इलाके में व्यापक असर देखने को मिला। क्षेत्र के लोग स्वतः ही घरों से बाहर निकलकर प्रदर्शनों में शामिल हुए। बंद के दौरान सिसवां-बद्दी मुख्य मार्ग पर प्रदर्शनकारियों और स्थानीय संगतों द्वारा शांतिपूर्ण रोष प्रदर्शन किया जा रहा था। इसी दौरान प्रदर्शन स्थल के पास मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को संदिग्ध अवस्था में आते देखा गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों को देखते ही युवकों ने उन्हें चकमा देकर भागने का प्रयास किया। संदेह होने पर जब पुलिस बल और प्रदर्शनकारियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो एक युवक मौके से चकमा देकर फरार होने में सफल रहा, जबकि दूसरे युवक को धर दबोचा गया।

तलाशी में मिला नशे का सामान

काबू किए गए युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से लाइटर, सिरिंज (सूई) तथा नशे का सेवन करने में इस्तेमाल होने वाला अन्य संदिग्ध सामान बरामद हुआ। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों द्वारा जब आरोपी से सख्ती से पूछताछ की गई, तो उसने स्वीकार किया कि वे चिट्टे (हेरोइन) के नशे के आदी हैं। प्रदर्शनकारियों ने तुरंत आरोपी को मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन के हवाले कर दिया। पुलिस अब फरार हुए दूसरे युवक की तलाश में छापेमारी कर रही है और पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

CMYK